गैरसैंण,सोमवार
29 अप्रैल 2024
वर्षः 15
अंकः 343 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

मुख्यमंत्री ने बनबसा, चंपावत में सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरी मेले की तैयारियों के संबंध में ली समीक्षा बैठक

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को एनएचपीसी, बनबसा में उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरी मेले की तैयारियों के संबद्ध में समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री ने मां पूर्णागिरी मेले के संबंध में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि पूर्णागिरी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम, सुरक्षित हो। श्रद्धालुओं को यात्रा एवं पैदल मार्गों पर किसी तरह की कोई दिक्कत न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा सभी के सहभागिता से पूर्णागिरी मेले को नया स्वरूप देना है। हमारा संकल्प है कि पूर्णागिरी मेले से श्रद्धालु अच्छा अनुभव लेकर जाए।

मुख्यमंत्री ने जिला पंचायत द्वारा मेले के अंतर्गत मुंडन हेतु लिए जाने वाली धनराशि पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुंडन हेतु कम से कम शुल्क लिए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा शासन प्रशासन का ध्येय लोगों को सहूलियत

पहुंचाना है। उन्होंने कहा मुंडन हेतु ली जाने वाली धनराशि के कम होने से श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बनबसा कैनाल क्षेत्र में 1 हज़ार लोगों के लिए रैन बसेरे की व्यवस्था किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा स्थानीय लोगों, मंदिर समिति एवं प्रशासन के सहयोग से शारदा एवं बूम घाट में नियमित रुप से भव्य शारदा आरती का आयोजन हो। उन्होंने कहा श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक इस आरती से जोड़ा जाए एवं आरती हेतु जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने शारदा कॉरीडोर (शारदा रिवर फ्रंट डेवलपमेंट) के विकास कार्य बारे में भी जानकारी लेते हुए कहा कि शारदा कॉरिडोर का भव्य निर्माण हो, इसके लिए यू.आई.डी.बी को जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा क्षेत्र का विकास दीर्घ कालीन विजन के साथ किया जाए। हमे वर्तमान के साथ भविष्य के विकास को भी ध्यान के रखना है। उन्होंने कहा सभी विभाग, पूर्णागिरी मेला क्षेत्र में अस्थाई व्यवस्थाओं की जगह स्थाई व्यवस्थाओं पर अधिक प्रथमिकता दे। साथ ही सभी ऑनरशिप लेकर कार्य करें। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को मेले हेतु पुनः मैनपावर का आंकलन करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा अनुसार पैदल मार्गों पर स्वास्थ शिविरों, डॉक्टरों की तैनाती, आवशक दवाईयों की व्यवस्था की जाएं। उन्होंने कहा यात्रा मार्ग पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था हो। इसके साथ ही पूर्णागिरी क्षेत्र हेतु अतिरिक्त पेयजल योजना बनाई जाए। उन्होने कहा पूर्णागिरी एवं टनकपुर क्षेत्र में जन सहभागिता से विशेष स्वच्छता कार्यक्रम चलाए जाए। मार्गों पर बने शौचालयों में भी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा पूर्णागिरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्थाओं को सुगम संचालन हो। आने वाले श्रद्धालुओं हेतु पार्किंग की भी पर्याप्त व्यवस्था हो।

उत्तराखंड में मौसम को लेकर पूर्वानुमान जारी

देहरादून। उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में बड़ा अपडेट सामने आया है। बारिश को लेकर पूर्वानुमान जारी हुआ है। कई जिलों में बारिश और धूलभरी आधी का भी पूर्वानुमान है। 28 अप्रैल को पहाड़ी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। वहीं 29 और 30 अप्रैल को यूएसनगर, हरिद्वार, नैनीताल एवं दून का मैदानी इलाका छोड़कर बारिश हो सकती है। धूलभरी आंधी एवं ओलावृष्टि के भी आसार हैं। मौसम निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने कहा कि सभी डीएम को सूचना जारी की गई है। बारिश एवं ओलावृष्टि होने से तापमान में कमी आएगी।

कल पिथौरागढ़–बागेश्वर में बारिश की संभावनाः मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार आज कुमाऊं में हल्के बादलों के बीच बूंदाबांदी हो सकती है। जबकि कल पिथौरागढ़–बागेश्वर में हल्की बारिश हो सकती है। जबकि अन्य जिलों में बूंदाबादी के साथ मौसम सामान्य होने के आसार हैं। इसके अलावा 30 अप्रैल को भी पिथौरागढ़–बागेश्वर में हल्की बारिश की संभावना है। यह जानकारी मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक देहरादून बिक्रम सिंह ने दी है।

खाई में गिरा पर्यटकों का वाहन, मासूम की मौत

शनिवार रात लैंसडौन-धूरा मार्ग पर हुआ हादसा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः लैंसडौन-धूरा मार्ग पर पर्यटकों का वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। दुर्घटना में एक तीन साल की मासूम की मौत हो गई। हादसे में घायल चार पर्यटकों को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार लाया गया।

घटना शनिवार रात की है। हरियाल रोहतक निवासी पर्यटक घूमने के लिए लैंसडौन पहुंचे थे। रात के समय वह धूरा गांव में स्थित एक होटल में रात्रि विश्राम के लिए जा रहे थे। इसी दौरान धूरा के समीप वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। सूचना के बाद घटनास्थल में पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को अस्पताल पहुंचा। जहां तीन वर्षीय मासूम शानू की उपचार के दौरान मौत हो गई। जबकि, विनय आयु 34 वर्ष, मुकेश आयु 58 वर्ष, श्वेता आयु 32 वर्ष, व खुशबू आयु 25 वर्ष को घायलावस्था में अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस ने बताया की घायलों को लैंसडौन के कैंट चिकित्सालय में प्राथमिकता उपचार करने के बाद बेस अस्पताल कोटद्वार के लिए रेफर कर दिया है। घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

संदेशखालीः छीन ली गई पुलिस की ताकत

नई दिल्ली । कलकत्ता हाई कोर्ट के संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन हड़पने के आरोपों की सीबीआई जांच का निर्देश देने के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। पश्चिम बंगाल सरकार की इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के इस मामले की सुनवाई करने की संभावना है।

शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी याचिका में, राज्य सरकार ने कहा है कि उच्च न्यायालय के 10 अप्रैल, 2024 के आदेश ने पुलिस बल समेत राज्य के पूरे तंत्र को हतोत्साहित कर दिया है। याचिका में कहा गया है, "हाई कोर्ट ने एक बहुत ही सामान्य आदेश में राज्य को बिना किसी दिशानिर्देश के सीबीआई को आवश्यक सहायता प्रदान देने निर्देश दिया है, भले ही वह जनहित याचिका में याचिकाकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित न हो। यह संदेशखाली क्षेत्र में किसी भी अपराध की जांच करने के

लिए राज्य पुलिस की शक्तियों को हड़पने के समान है।'

संदेशखाली में ईडी के अधिकारियों पर हमले के मामले की जांच पहले से ही सीबीआई कर रही है और एजेंसी ने पांच जनवरी की घटनाओं से संबंधित तीन एफआईआर दर्ज की हैं। हाई कोर्ट ने सीबीआई को संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और भूमि पर कब्जा करने के आरोपों की जांच करने और सुनवाई की अगली तारीख पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय की पीठ ने मामले को अगली सुनवाई के लिए दो मई को सूचीबद्ध किये जाने का निर्देश दिया तथा उस दिन तक सीबीआई को रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा था। बता दें कि संदेशखाली में दो परिसरों की तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद जब्त करने का दावा भी किया गया है। इसमें विदेशी पिसेतौल और रिवाल्वर भी शामिल है। सीबीआई के अनुसार एसके शाहजहाँ के आवासीय और आधिकारिक परिसरों की तलाशी के दौरान ईडी कर्मियों के खिलाफ हिंसा के मामले में कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में सीबीआई द्वारा आरसी.2/2024–कोल के तहत मामला दर्ज किया गया है। सीबीआई के अनुसार इस मामले की जांच के दौरान जानकारी मिली थी कि ईडी टीम की खोई वस्तुएं और अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं एसके के एक सहयोगी के आवास पर छिपाई हो सकती है। वहीं ममता बनर्जी का कहना है कि यह सब केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश है।

गुजरात तट के पास पाकिस्तानी नाव जब्त, 600 करोड़ के ड्रग्स के साथ 14 गिरफ्तार

अहमदाबाद । भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात तट से एक पाकिस्तानी नाव से 600 करोड़ रुपये की 86 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की है। भारतीय तटरक्षक बल, आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। नाव से 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अरब सागर में यह ऑपरेशन रात भर गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के समन्वय से चलाया गया। आरएनएस की रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि तटरक्षक बल ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि पाकिस्तानी नाव से कौन सी ड्रग्स बरामद की गई है। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए तटरक्षक जहाजों और विमानों को तैनात किया गया था। ऑपरेशन में आईसीजी जहाज राजरतन भी शामिल हुआ। जहाज की स्पेशल टीम संदिग्ध नाव पर चढ़ गई और बड़ी मात्रा में ड्रग्स की मौजूदगी की पुष्टि की। पाकिस्तानी नाव को उसके 14 सदस्यीय चालक दल के साथ पकड़ लिया गया। एटीएस और एनसीबी के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान गिरफ्तारी से बचने की कोशिश में तस्करों ने एटीएस अधिकारियों पर अपनी नाव चढ़ाने की कोशिश की। भारतीय बल की जवाबी गोलीबारी के बाद संदिग्धों को पकड़ लिया गया। बताया जाता है कि सुरक्षा एजेंसियां पिछले दो दिनों से अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा के पास भारतीय जल क्षेत्र के भीतर तलाशी अभियान चला रही थीं।

कॉर्बेट टाइगर रिजर्व मामले को लेकर हरक सिंह का पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत पर आरोप

देहरादून। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व मामले में केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना कर रहे पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने कहा है कि आईएफएस किशन चंद को कॉर्बेट का डीएफओ बनाने में उनसे से ज्यादा तत्कालीन सीएम तीरथ सिंह रावत की भूमिका थी। किशन चंद की तैनाती वाली फाइल में उनके सिर्फ साइन हैं, जबकि तत्कालीन सीएम के साइन के साथ मुहर भी लगी है। इससे साफ है कि उनसे सीएम कार्यालय में ही साइन करवाए गए। हरक सिंह रावत ने कहा कि उनके खिलाफ इस मामले में सबसे बड़ा आरोप किशनचंद को कॉर्बेट का डीएफओ बनाने को लेकर है। जबकि आईएफएस अधिकारी होने के कारण डीएफओ की तैनाती सीएम कार्यालय से होती है। किशन चंद की तैनाती वाले आदेश की नोटशीट उनके पास है, जिसमें बतौर मंत्री उनके सिर्फ साइन हैं, यदि यह फाइल उनके दफ्तर से बढ़ी होती तो इसमें कार्यालय की मुहर भी होती। तत्कालीन मुख्यमंत्री तीरथ सिंह

रावत ने इस पर साइन तो किए ही, उनके कार्यालय की मुहर भी नोटशीट पर है।

इससे साफ है कि बतौर मंत्री उनके साइन अंतिम समय में सीएम कार्यालय में ही लिए गए। हरक सिंह ने कहा कि यदि किशन चंद की छवि ठीक नहीं थी तो उन्हें निलंबित कर जांच की जानी चाहिए थी, यह अधिकार सीएम को ही हासिल था इसलिए किशनचंद की तैनाती में उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। वैसे भी किशनचंद के समय सिर्फ 2.39 करोड़ रुपये का काम हुआ था। यह निर्माण भी तमाम स्वीकृतियों के बाद हुआ है। बकौल हरक सिंह वो सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखकर सारी बातें रख चुके हैं।

हरक ही जाने उन्होंने क्या–क्या किया: तीरथ

दूसरी तरफ, हरक के आरोपों को पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ रावत ने नकारते हुए कहा कि ऐसा उनकी जानकारी में बिल्कुल नहीं है। तब यह विभाग हरक सिंह के पास था, वो जाने, उन्होंने क्या–क्या किया।

एक नजर

गंगा में नहाते समय युवक व युवती तेज बहाव में बहे, तलाश जारी

ऋषिकेश। ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला क्षेत्र में गंगा में नहाते समय एक युवक व एक युवती तेज बहाव में बह गए। एसडीआरएफ और जल पुलिस रेस्क्यू अभियान चला रही है, लेकिन अभी तक उनका कोई सुराग नहीं लगा है। लक्ष्मण झूला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक रवि सैनी ने बताया कि दिल्ली से आठ लोगों का ग्रुप ऋषिकेश घूमने आया था। ये सभी लोग लक्ष्मण झूला क्षेत्र में गंगा में नहाने गए थे। इस दौरान तेज बहाव की चपेट में आने से एक युवती नेहा पुत्री(29) शिवदत्त निवासी पीलीभीत उत्तर प्रदेश और युवक साहिल गुप्ता पुत्र सुनील कुमार निवासी गौर सिटी नोएडा उत्तर प्रदेश डूब गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम वहां पहुंची और उनकी तलाश में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, एक लड़की साक्षी कुमारी(29)पुत्री मनोरंजन मजूमदार निवासी सेक्टर 74 नोएडा पानी के बहाव में आने से बेहोश हो गई, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

दरभंगा में बीजेपी कैंडिडेट गोपाल ठाकुर के विरोध में लगे नारे, लोगों ने दिखाए काले झंडे

पटना । बिहार के दरभंगा के सांसद व बीजेपी कैंडिडेट गोपाल जी ठाकुर को स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं लोगों ने सांसद को काले झंडे भी दिखाए। जानकारी के अनुसार गोपाल जी ठाकुर अपने बाइक से जनसंपर्क पर निकले हुए थे। जनसंपर्क के दौरान स्थानीय लोग काले झंडे लेकर मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि लाइव हिन्दुस्तान नहीं करता है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि गोपालजी ठाकुर बाइक से जनसंपर्क कर रहे हैं। इस दौरान वहां पर खड़े एक युवक नारेबाजी कर रहे लोगों को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उनकी बात मानने को कोई तैयार नहीं हैं। इस वीडियो में एक युवक भी दिख रहा है जिसमें वह बता रहा है कि देखिए किस तरह से गोपाल जी ठाकुर भाग गए। भाग गए गोपाल जी ठाकुर। जो भाग गया वह काम क्या करेगा।

400 पार का नारा भूल गई भाजपा, अखिलेश यादव बोले-अब हवा का रुख भांप गए बीजेपी के नेता

संभल । सपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आम चुनाव के तीसरे चरण में भाजपा को एक भी सीट न मिलने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि जनता की भावनाओं को समझा सत्तारूढ़ दल 400 पार का नारा भूल गया है। सपा प्रमुख ने संभल में पार्टी उम्मीदवार जिया–उर–रहमान बर्क के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने 400 पार का नारा दिया। जैसे ही दूसरा चरण समाप्त हुआ 400 पार का नारा भूल गए। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के लोगों को हवा का रुख पता नहीं था, इसलिए 400 पार कह रहे थे और जब दो चरणों के चुनावों में जनता की भावना समझ गए कि जनता 400 सीटें हराने जा रही है तो भाजपा अपना नारा भूल गई। सपा प्रमुख ने कहा कि पहले चरण में पश्चिम से जो हवा चली उसने भाजपा को पलटने का काम किया, उनकी सरकार को

बदलने का काम किया। दूसरे चरण में भी वही दिखा, लोग भाजपा को स्वीकार नहीं कर रहे। तीसरे चरण में अब आपकी जिम्मेदारी है। अखिलेश ने संभल से अपना रिश्ता जोड़ते हुए कहा कि इस हिस्से से लेकर हमारे घर (इटावा–मैनपुरी) तक चुनाव है। इस क्षेत्र (संभल) से नेताजी (मुलायम सिंह यादव) भी सांसद रह चुके हैं। यहां से लेकर मैनपुरी तक वोट पड़ने जा रहा है। इस चरण में मैं कह सकता हूं कि भाजपा का किसी भी लोकसभा में खाता नहीं खुलने वाला। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव 1998 और 1999 में दो बार संभल लोकसभा क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन सीट की गिनती हो जहां भाजपा सबसे ज्यादा मतों से हारी हो, तो उनमें संभल संसदीय सीट का भी नाम होना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि यह चुनाव श्रद्धांजलि देने का भी चुनाव है। हम लोगों ने टिकट बहुत लोकप्रिय शफीक–उर–रहमान बर्क साहब को दिया लेकिन वह हमारे बीच नहीं रहे। यह श्रद्धांजलि देने का चुनाव है। वहीं जिंदादिल यादों का भी चुनाव है। वह अपने लोगों के हक अधिकार के लिए हमेशा खड़े रहते थे। संभल से सपा सांसद शफीक–उर–रहमान बर्क चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार घोषित किये गये थे लेकिन उसी दौरान उनका निधन हो गया था। सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि यह चुनाव संविधान मंथन का चुनाव है, क्योंकि एक तरफ वो लोग हैं जो संविधान को खत्म करना चाहते हैं और दूसरी ओर विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' और समाजवादी लोग हैं, जो संविधान की रक्षा करना चाहते हैं।

आरक्षण का समर्थक है आरएसएस चुनाव के बीच मोहन भागवत की दो टूक

हैदराबाद । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोकसभा चुनावों के बीच आरक्षण पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि संघ परिवार ने कुछ समूहों को आरक्षण देने का कभी विरोध नहीं किया है। हैदराबाद में एक शैक्षणिक संस्थान में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। भागवत ने कहा कि संघ का मानना है कि आरक्षण तब तक दिया जाना चाहिए जब तक कि इसकी जरूरत है। आरक्षण को लेकर भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच छिड़े वाकयुद्ध के बाद भागवत ने यह टिप्पणी की है। मोहन भागवत ने कहा कि आरक्षण और संघ को लेकर फेक वीडियो फैलाया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इस बारे में हम बाहर नही बोल सकते हैं। यह सब पूरी तरह से झूठ है। आरएसएस प्रमुख भागवत ने पिछले साल नागपुर में कहा था कि जब तक समाज में भेदभाव है तब तक आरक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि भेदभाव समाज में व्याप्त है, भले ही यह दिखाई नही देता हो। दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा के कई नेताओं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबियों के बयानों से स्पष्ट है कि उनका मकसद संविधान बदलना है। ऐसा करके वे देश का लोकतंत्र तबाह करना और दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण छीन कर उनकी भागीदारी खत्म करना चाहते हैं।

यूपी में सांप्रदायिक टिप्पणी के लिए ओवैसी को नोटिस की तैयारी

वाराणसी ,एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने 25 अप्रैल को वाराणसी में पीडीएम न्याय मोर्चा की एक जनसभा को संबोधित किया था। इस दौरान कथित सांप्रदायिक बयान देने के लिए उन्हें जल्द ही नोटिस जारी किया जाएगा। नोटिस जिला निर्वाचन अधिकारी की ओर से अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी किया जाएगा। काशी क्षेत्र के भाजपा कानूनी सेल के संयोजक शशांक शेखर त्रिपाठी ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि असदुद्दीन ओवैसी ने वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान सांप्रदायिक बयान दिया था। अतिरिक्त रिटर्निंग ऑफिसर सब–डिविजनल मजिस्ट्रेट नीरज पटेल ने रविवार को शिकायत मिलने की पुष्टि की है। उनका कहना है कि शुरुआती जांच के बाद, ओवैसी को नोटिस जारी किया जा रहा है। बीते गुरुवार को जनसभा में ओवैसी ने आरोप लगाया था कि मुख्तार

अंसारी की न्यायिक हिरासत में हत्या कर दी गई। वह शहीद हुए और ऐसे लोग कभी नहीं मरते। उन्हें बचाना भाजपा सरकार की जिम्मेदारी थी, लेकिन वह विफल रही। अपने 40 मिनट के संबोधन में ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा था, अखिलेश यादव का आधा परिवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठकर चाय पीता है और वह हमसे अपनी जान दे देने के लिए कहते हैं।

महादेव सट्टेबाजी ऐप केस में मुंबई पुलिस का बड़ा एक्शन

हिरासत में एक्टर साहिल खान

मुंबई । महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में मुंबई पुलिस ने बड़ा ऐक्शन लिया है। 15 हजार करोड़ के इस घोटाले में कथित संलिप्तता के आरोप में अभिनेता साहिल खान हिरासत में लिए गए हैं। बीते गुरुवार को एसआईटी ने मामले में उनसे छह घंटे की पूछताछ भी की थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए साहिल खान ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था लेकिन, उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज हो गई थी।मुंबई साइबर प्रकोष्ठ के विशेष जांच दल ने महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में अभिनेता साहिल खान को छत्तीसगढ़ से हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने

उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी जिसके बाद उन्हें शनिवार को छत्तीसगढ़ के जगदलपुर से हिरासत में लिया गया।

6 घंटे की हो चुकी पूछताछ

विशेष जांच दल (एसआईटी) ने बीते गुरुवार को साहिल खान से इस मामले में पूछताछ की थी। अधिकारी ने बताया कि साहिल खान अदालत के आदेश के मुताबिक गुरुवार दोपहर करीब एक बजे एसआईटी के सामने पेश हुए थे और अपना बयान दर्ज करने के बाद शाम साढ़े पांच बजे चले गए। साहिल खान ने दावा किया कि मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में जांच कर रहा है, वहीं मुंबई पुलिस ने 32 लोगों के खिलाफ एक अलग मामला दर्ज किया है। मामले की जांच के लिए मुंबई क्राइम ब्रांच ने एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी विवादास्पद महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रमोटरों और राज्य में कुछ वित्तीय एवं रियल एस्टेट कंपनियों के बीच कथित अवैध लेन–देन के संबंध में जांच कर रही है।

चारधाम यात्राः केदारनाथ–बदरीनाथ धामों में 1 घंटे के अंदर भक्तों को होंगे दर्शन

देहरादून । चारधाम यात्रा के लिए उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं को धाम और मंदिरों में अब घंटों लंबी कतार में नही लगना होगा। केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री समेत चारों धामों में भक्तों को आसानी से दर्शन हो सकेंगे। स्लॉट टोकन सिस्टम के जरिए श्रद्धालुओं को एक घंटे के भीतर दर्शन हो जाएंगे।

सरकार इस साल टोकन स्लॉट सिस्टम को अधिक प्रभावी रूप से लागू करने जा रही है। श्रद्धालुओं का समूह बनाकर उन्हें एक तय समय दिया जाएगा, जिसमें वो आकर दर्शन कर सकेंगे। पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा की तैयारियों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस बार बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में स्लॉट टोकन सिस्टम को सख्ती से लागू किया जाएगा। श्रद्धालुओं को दर्शन का वक्त पता होने से वे अपने समय का दूसरे स्थलों के दर्शन में भी सदुपयोग कर सकेंगे। अधिकारियों को इस बाबत सख्त निर्देश दे दिए गए हैं। सतपाल महाराज ने कहा कि इस साल अब तक 15 लाख से ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। रजिस्ट्रेशन के रुझान से साफ हो रहा है कि इस साल श्रद्धालुओं की संख्या नया रिकार्ड स्थापित करेगी।

वायनाड में जीतने के लिए पीएफआई की मदद ले रही कांग्रेस, पीएम मोदी का राहुल गांधी पर हमला

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान भी संपन्न हो चुका है। अब आगामी 7 मई को तीसरे चरण के लिए मतदान होना है। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे चरण में भी मतदान प्रतिशत में गिरावट देखी गई। देशभर में 66.7 प्रतिशत दर्ज किया गया। जो 2019 के संसदीय चुनाव के आंकड़ों से कम है। मौजूदा चुनाव के दोनों चरणों में पिछले आम चुनाव की तुलना में मतदान प्रतिशत में गिरावट देखी गई है। हालांकि निर्वाचन आयोग ने अब तक औपचारिक रूप से मतदान प्रतिशत के बारे में जानकारी नहीं दी है।

बता दें कि लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शुक्रवार को 13 राज्यों की 88 सीटों पर हुआ। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 13 राज्यों के 95 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान 69.64 प्रतिशत दर्ज किया गया था।

मौजूदा आम चुनाव के पहले चरण में 65.5 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि 2019 के संसदीय चुनाव के पहले चरण में 69.43 प्रतिशत मतदान हुआ था।

उधर, आज दक्षिण भारतीय राज्य कर्नाटक में भीषण गर्मी के बीच चुनावी तापमान भी बढ़ने वाला है। राज्य में सात मई को होने वाले संसदीय चुनाव के तीसरे चरण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जोरदार प्रचार अभियान की तैयारी कर रहे हैं। पीएम मोदी सप्ताहांत में कई रैलियों को संबोधित करने वाले हैं। उनका लक्ष्य राज्य की शेष 14 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से 11 को कवर करने का है। पीएम मोदी ने रविवार को बेलगावी, उत्तर कन्नड़ के सिरसी, दावणगेरे और बेल्लारी में चुनावी रैलियों को संबोधित किया और होसापेटे में रात्रि प्रवास पर रहेंगे।

पीएम मोदी ने कर्नाटक में चुनावी रैली के दौरान आरोप लगाया कि कांग्रेस वायनाड लोकसभा सीट जीतने के लिए प्रतिबंधित संगठन पीएफआई की मदद ले रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति पर कब्जा करना चाहती है, उसे अपने वोटबैंक में पुनः वितरित करना चाहती है। कांग्रेस राष्ट्र हित से दूर, एक परिवार के हित में उलझ गयी है।

संपादकीय

त्रासदी झेलने के लिए लोग मजबूर

संयुक्त राष्ट्र ने 'ग्लोबल रिपोर्ट आन फूड क्राइसिस' यानी खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट में यह खुलासा किया कि विश्व के उनसठ देशों के लगभग 28.2 करोड़ लोग सन 2023 में भूख से तड़पने को लाचार हुए। भूख का सामना करने वाले लोगों की तादाद 2022 के मुकाबले 2.4 करोड़ ज्यादा रही।रिपोर्ट के मुताबिक, भूखे रहने वालों में बच्चे और महिलाएं सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा, बत्तीस देशों में पांच वर्ष से कम उम्र के 3.6 करोड़ अधिक बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। साथ ही युद्ध और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की वजह से बढ़ते विस्थापन के बीच पिछले वर्ष कुपोषण की समस्या और ज्यादा गहरी हो गई। सवाल है कि दुनिया भर में और खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अगर भूख सहित कई बड़ी समस्याओं से लड़ने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी की बात की जाती है तो इस त्रासदी के लिए किसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि बीस देशों में भूख की मुख्य वजह वहां चल रहे हिंसक संघर्ष थे।

दूसरा बड़ा कारण यह था कि बढ़ते तापमान या मौसम से संबंधित आपदाओं, कीटों के हमले और महामारी के बीच करीब सात करोड़ सत्तर लाख से ज्यादा लोगों को उच्च स्तर की गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ा। इसी तरह, खाने-पीने की चीजों की महंगाई, आयातित खाद्य वस्तुओं पर निर्भरता, उच्च ऋण स्तर आदि वजहों से भी लोगों को भूख की समस्या से रूबरू होना पड़ा। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से या वैश्विक स्तर पर भुखमरी के लिए जिन कारणों को चिह्नित किया गया है, उसका हल निकालने की कोशिश किसे करनी है और वह कब होगा! यह एक जगजाहिर तथ्य है कि संयुक्त राष्ट्र या फिर अन्य संस्थाओं की ओर से विश्व भर में भूख के संकट पर अक्सर अध्ययन रपटें जारी की जाती हैं। उसमें कारण भी बताए जाते हैं। मगर उन्हें दूर करने को लेकर बात औपचारिकताओं से आगे नहीं बढ़ पाती। अन्यथा क्या वजह है कि वर्षों से भुखमरी के हालात कायम रहने के बावजूद इस दिशा में अब तक कोई ठोस हल सामने नहीं आ सका है। उल्टे आर्थिक और सामरिक स्तर पर दुनिया के ताकतवर देश भुखमरी की त्रासदी की ओर ध्यान दिलाए जाने पर भी उसके समाधान को लेकर शायद ही कोई रुचि दिखाते हैं। गरीबी, जलवायु परिवर्तन आदि से उपजी समस्याओं से अगर कोई देश ज्यादा प्रभावित होता है तो सक्षम देश उनकी मदद के लिए क्या करते हैं? संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि युद्धग्रस्त गाजा में सबसे ज्यादा लोगों ने अकाल की गंभीर स्थिति का सामना किया। सवाल है कि संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था के होते हुए भी युद्धग्रस्त इलाकों में ऐसे हालात कैसे लंबे समय तक बने रहते हैं और युद्ध को खत्म कराने के प्रयास महज दिखावे के क्यों साबित होते हैं कि लोगों के सामने भूख से तड़पने की नौबत आती है!

राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र चुनाव आयोग में पंजीकृत हो

घोषणा पत्र जारी करने की प्रक्रिया में एक और परिवर्तन आया है कि आम तौर पर घोषणा पत्र पार्टियां बगैर किसी सामाजिक और आर्थिक आंकलन के करती हैं। 1952 के बाद लगभग 2-3 दशकों तक पार्टियां जो घोषणा पत्र जारी करती थीं उनके पीछे एक उत्तरदायित्व की भावना तथा वस्तुपरक आंकलन होता था कि वहघोषणा कैसे पूरी कर सकेंगे? जिनके लिए वे जरूरी मानती हैं। क्या देश के आर्थिक हालात इसके लिए समर्थ होंगे। मुख्यतरू उनके चुनाव घोषणा पत्र में नीति निर्माण के ऊपर जोर दिया जाता था। अब पार्टियों के जो घोषणा पत्र जारी हो रहे हैं वह इतने लंबे चैड़े हो रहे हैं कि उन्हें याद रखना जनता को तो दूर पार्टी के नेताओं को भी याद रखना संभव नहीं बचा है। पाँच सौ हजार वायदे और अलग-अलग क्षेत्रों के वायदे वाले इन चुनाव घोषणा पत्रों में सौ-सौ पेज तक होते हैं।

रघु ठाकुर

लोकतांत्रिक देशों में चुनाव के समय घोषणा पत्र जारी करने का चलन रहा है। दरअसल घोषणा पत्र का चलन संबंधित पार्टी के द्वारा आने वाले समय में कौन से काम को हाथ में लेंगे और क्या होना चाहिए इसका एक विवरण या पांच वर्षीय कार्यक्रम जैसा होता है। परंतु पिछले कुछ दशकों से यह अनुभव हो रहा है कि राजनीतिक दल विशेषतरू जो सत्ताधारी या सत्ता के नजदीक हैं, वह घोषणाएं तो बहुत करते हैं परंतु उसके ऊपर अमल नहीं करते हैं। घोषणा पत्रों के स्वरूप भी अब बदल रहे हैं।

1952 से लेकर 1967 तक के दलों के चुनाव घोषणा पत्रों को देखें तो उनमें मुख्यतरू नीति परिवर्तन के संदेश और वायदे ज्यादा होते थे। परंतु अब घोषणा पत्र नीति परिवर्तन के बजाय वोट खरीदने के मंत्र बन रहे हैं। और घोषणा पत्र में मुख्यतरू राहत की बातों की चर्चा ही मुख्य होती है कि अगर सरकार बनती है तो कौन-कौन सी रियायत मतदाताओं को देंगे। मैं रियायतों के खिलाफ नहीं हूं। परंतु रियायतें स्थानी नहीं होनी चाहिए वरना वह लोकतांत्रिक विफलता में बदल सकती हैं। रियायतें एक अस्थाई संत्रमणता व्यवस्था हो जो आमजन को समर्थ बनाने की अवधि के बीच की मदद हो परंतु आमतौर पर दलों का लक्ष्य स्थाई विकलांगता पैदा करना हो गया यानि समर्थ न बनाकर निरंतर कमजोर रखना तथा मदद के नाम पर वोट हासिल करते रहना एक स्थाई रणनीति बन गई है।

इस 2024 के लोकसभा चुनाव का जो घोषणा पत्र कांग्रेस ने जारी किया है उसमें यह कहा है कि गरीब महिलाओं को हर साल 1 लाख रुपए देंगे। भारतीय जनता पार्टी भी इसके पहले चुनाव में लगभग ऐसी ही अन्य घोषणाएं करती रही।

उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 5०० रुपए तक के किसानों के कर्ज माफ करने का ऐलान किया था और इस आधार पर उन्हें वोट भी मिला, बाद में छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने भी किसानों के कर्ज माफी का ऐलान किया और उन्हें भी किसानों का समर्थन मिला। पिछले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने भी यह वादा किया कि हम हर किसान को साल का रु. 6000 किसान सम्मान निधि देंगे और किसान उनकी ओर कुछ उन्मुख भी हुए।

कुल मिलाकर स्थिति यही है प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से कुछ राहत के नाम पर रुपयों का लालच देकर पार्टियां वोट खरीदती हैं। प्रत्याशियों के द्वारा व्यक्तिगत तौर पर मतदाताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाना या कोई सुविधा देना चुनावी कानून की दृष्टि से अपराध है और इस अपराध के लिए उनके चुनाव भी रद्द हो सकते हैं, परंतु राजनीतिक दलों के द्वारा घोषणा पत्र के नाम पर यह थोकबंद खरीद चुनावी अपराध नहीं मानी जाती। सार्वजनिक रूप से ऐलान करके इस प्रकार से मतदाताओं को ललचाते हैं और वोट लेते हैं।

घोषणा पत्र जारी करने की प्रक्रिया में एक और परिवर्तन आया है कि आम तौर पर घोषणा पत्र पार्टियां बगैर किसी सामाजिक और आर्थिक आंकलन के करती हैं। 1952 के बाद लगभग 2-3 दशकों तक पार्टियां जो घोषणा पत्र जारी करती थीं उनके पीछे एक उत्तरदायित्व की भावना तथा वस्तुपरक आंकलन होता था कि वहघोषणा कैसे पूरी कर सकेंगे? जिनके लिए वे जरूरी मानती हैं। क्या देश के आर्थिक हालात इसके लिए समर्थ होंगे। मुख्यतरू उनके चुनाव घोषणा पत्र में नीति निर्माण के ऊपर जोर दिया जाता था। अब पार्टियों के जो घोषणा पत्र जारी हो रहे हैं वह इतने लंबे चैड़े हो रहे हैं कि उन्हें याद रखना जनता को तो दूर पार्टी के नेताओं को भी याद रखना संभव नहीं बचा है। पाँच सौ हजार वायदे और अलग-अलग क्षेत्रों के वायदे वाले इन चुनाव घोषणा पत्रों में सौ-सौ पेज तक होते हैं। इन चुनाव घोषणा पत्र को ना तो पार्टी वाले और ना मतदाता पढ़ते हैं। कोई विशिष्ट मुद्दे पर या किसी विशिष्ट राहत की घोषणा पर देश में चर्चा हो जाती है, परंतु उसका कोई महत्व नहीं होता। अभी जो चुनाव घोषणा पत्र जारी हुए हैं इनमें उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी ने भी कल घोषणा की है कि छोटे किसानों को प्रति माह प्रति किसान रु. 5000 की सहायता दी जाएगी। यह ढाई एकड़ से कम भूमि वाले किसानों को दी जाएगी। मैं नहीं जानता हूं कि उन्होंने इसका कोई आंकड़ा निकाला है? क्योंकि अगर निकाला होता तो वह उनकी भी संख्या भी जारी करते। इसी प्रकार हर मजदूर को रु. 5000 प्रतिमाह पेंशन देने का वादा किया है। सामान्य मजदूरी वाले मजदूरों की संख्या अनुमानतरू देश में (खेती और गैर खेती वाले मिलाकर) लगभग 30 करोड़ के आसपास होगी। यानी प्रति महीने लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए और साल का 18 लाख करोड़ रुपए अकेले इन मजदूरों की पेंशन पर खर्च होगा। कल्पना करिए कि 30 लाख करोड़ के बजट में से 18 लाख करोड़ रुपए क्या केवल मजदूरों की पेंशन पर दिया जाना संभव होगा? जबकि स्थिति यह है कि देश के बजट का 25 से 30 प्रतिशत केवल वेतन भुगतान पर खर्च होता है व लगभग इतनी ही राशि राशि पेंशन भुगतान पर खर्च होती है। लगभग 20 प्रतिशत कर्ज के भुगतान पर खर्च होता है। तो कहां से मजदूरों को या छोटे किसानों को पेंशन मिलेगी। इसकी कोई गणना किए बगैर केवल एक घोषणा जारी करना यह राजनीति का आम चलन हो गया है। यही स्थिति लगभग सत्ताधारी दल या सत्ता आकांक्षी तथा कथित बड़े दलों की हो गई है कि वह भी मनमानी घोषणाएं कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री जी तो पार्टी घोषणा पत्र जारी किए बगैर ही पिछले लगातार दो माह से प्रतिदिन हजारों लाखों करोड़ की घोषणा करते रहे हैं। यह पूरी होगी कैसे होंगी, यह कहना संदिग्ध है। हालत यह है कि पार्टियां घोषणा पत्रों के प्रति कितनी जिम्मेदार हैं अगर यह जानना हो तो इसी से जाना जा सकता है कि चुनाव के दो चरण के लगभग पूरा होने के करीब हैं तब जाकर कुछ दलों ने घोषणा पत्र जारी किए हैं। कांग्रेस का घोषणा पत्र भी अभी दो दिन पहले ही आया है जबकि चुनाव की प्रक्रिया शुरू हुए 20-25 दिन हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी का घोषणा पत्र कल आया और भारतीय जनता पार्टी का जो देश की सत्ताधारी पार्टी है, का भी 15 अप्रैल 2024 को जारी हुआ है। कई बार ऐसे अनुभव आए हैं कि कई चरणों के चुनाव पूरा होने के बाद या चुनाव प्रक्रिया लगभग समाप्ति के पहले घोषणा पत्र जारी करते हैं। इन घोषणा पत्रों के पीछे ना कोई ठोस योजना है, ना कोई आधार है, ना कोई आंकलन होता है। दरअसल अगर सच शब्दों में कहा जाए तो राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र आम मतदाता के लिये ठगपत्र माने जाने चाहिए। हम लोगों ने कई बार लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी की ओर से भारत के चुनाव आयोग से यह मांग की कि पार्टियों के घोषणा पत्र चुनाव के कम से कम से एक माह पहले जारी हों तथा इन घोषणा पत्रों का पंजीयन चुनाव आयोग में हो। इसके लिए पार्टियों से उनके आर्थिक आंकलन और पूर्ति के वचन का शपथ पत्र लिया जाए। यह कार्यक्रम भी समयबद्ध होना चाहिए। अगर कोई पार्टी सरकार में आने के बाद अपने घोषणा पत्र को उक्त समय में पूरा नहीं करती है तो फिर उस पार्टी की मान्यता और पंजीयन को समाप्त करना चाहिए तथा उसके शपथ पत्र देने वाले अध्यक्ष या नेताओं के ऊपर धारा 420 के अपराध का मुकदमा चलना चाहिए।

हिंदुस्तान के सुप्रीम कोर्ट को मैं बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने झूठे विज्ञापन देने के आधार पर बाबा रामदेव और और पातंजलि के मुखिया आचार्य बालकृष्ण के माफीनामा को भी स्वीकार नहीं किया और और स्पष्ट संकेत दिया है कि उन्हें दंडित किया जाएगा। जिस प्रकार बाजार में झूठे विज्ञापन यानी झूठे वादे के आधार पर सामान को बेचना खरीददारों को गुमराह कर उन्हें खरीद को प्रेरित करना अपराध है उसी प्रकार राजनीति में दलों के द्वारा जनता को झूठे वचन देना और मतदाताओं को गुमराह करना भी अपराध माना जाना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।

एक और नई बात अभी सामने आई है कि पिछले कुछ दिनों से जो गठबंधन बन रहे हैं वह राजनीतिक रूप से, विचार के रूप से आमतौर पर बेमेल व केवल कुर्सी परक होते हैं और इसका परिणाम यह हो रहा है कि जो घोषणा पत्र बनते हैं वह आमतौर पर गठबंधनों के नहीं होते, बल्कि दलों के निजी होते हैं। सरकार अगर बनेगी तो गठबंधन बनायेगा और घोषणा पत्र यानी वचन पत्र राजनीतिक दल पृथक से देंगे। जबकि होना यह चाहिए कि जब कोई गठबंधन बनता है तो उनका घोषणा पत्र सामूहिक वचन पत्र होना चाहिए और गठबंधन की संयुक्त जवाबदेही होना चाहिए। गठबंधन के दलों के अलग-अलग घोषणा पत्र जारी करना यह भी लोगों को धोखा देने का प्रयास है। कांग्रेस पार्टी सीएए का विरोध कर रही है और उन्होंने यह भी कहा है कि अगर उनकी सरकार बनेगी तो वह नागरिकता संशोधन अधिनियम को समाप्त करेंगे परंतु उनके गठबंधन के प्रमुख दल डीएमके ने अपना जो घोषणा पत्र जारी किया है उसमें सीएए को स्वीकार किया है और यहां तक कहा है और कि वह श्रीलंका के तमिल लोगों को जो भारत की नागरिकता चाहेंगे उन्हें नागरिकता देंगे। अब यह कितनी विचित्र स्थिति है कि गठबंधन का प्रमुख कहेगा कि हम सीएए समाप्त करेंगे और उसका घटक दल कहेगा कि हम लागू करेंगे। ऐसी ही विचित्र परिस्थिति उत्तर पश्चिम की है जहां पर एनडीए यानी कि भाजपा के सहयोगी दल यह कह रहे हैं कि हम सीएए को नहीं मानते और भाजपा उसे अपनी उपलब्धि मानती है। भाजपा कहती है की गौ हत्या अपराध है और उस पर रोक लगाएंगे और उनके सहयोगी दल यहां तक कि उनके अपने दल के मुख्यमंत्री कहते हैं कि मैं गोमांस खाता हूं। गौमांस या गौहत्या पर कोई रोक नहीं लगी, कुल मिलाकर राजनैतिक दल भी जनता को गुमराह कर रहे हैं और गठबंधन भी।

देश में बड़ी मात्रा में छोटी पार्टियां भी है जो संघटनात्मक तौर पर या संसद व विधानसभा में भागीदारी के तौर पर बहुत ही कमजोर स्थिति में है या नहीं है। उनकी कमजोरी के कारण पर मैं यहां बहस नहीं करूंगा। इन दलों में भी दो प्रकार के दल हैं। कुछ एक दल निजी कारणों से बनाए गए हैं परंतु कुछ एक दल विचारधारा के आधार पर भी बने हैं। इन छोटे दलों के घोषणा पत्र या तो जारी नहीं हो पाते और अगर हो जाएं तो उनकी चर्चा मीडिया में नहीं हो पाती। क्योंकि इनके पास अपने घोषणा पत्र को मीडिया में लाने के लिए ना तो पर्याप्त आर्थिक ताकत होती है और ना राजनीतिक ताकत होती है। छोटी पार्टियों को या वैचारिक पार्टियों का एक संकट यह भी होता है कि जब कोई दल मुश्किल से 10-20 क्षेत्रों में ही लड़ रहा है तो वह घोषणा पत्र क्या जारी करें। क्योंकि जनता भी उनका या तो मजाक उड़ाती है या उन्हें गंभीरता से नहीं लेती। ये कम सीटों पर लडने वाले ना तो सरकार बनाने का दावा कर सकते हैं ना ही बड़े प्रतिपक्षी दल होने का और इसलिए उनका घोषणा पत्र अचर्चित रहता है। दूसरे उनके प्रसार की क्षमता बहुत कम होती है और आजकल तो प्रिंटिंग प्रेस वाले भी इतने कम संख्या के घोषणा पत्र की छपाई नहीं करते क्योंकि उन्हें वह कोई बहुत लाभप्रद काम नहीं लगता है। बहुत सारे ऐसे भी छोटे दल हैं जो नितांत निजी कारणों से या बड़े राजनीतिक खिलाड़ियों के छिपे हुए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बनवाए गए हैं। उन्हें घोषणा पत्र की कोई आवश्यकता नहीं होती। मेरा सुझाव है कि भारत का चुनाव आयोग निम्न बाध्यकारी नियम बनाए रू-

1 -हर पार्टी को यह अनिवार्य किया जाए कि वह चुनाव की घोषणा के एक माह पहले अपने घोषणा पत्र और आंकलन पत्र तथा शपथ पत्र चुनाव आयोग में जमा कराएं ताकि चुनाव आयोग भी उनके उत्तरदायित्व का और घोषणाओं का आंकलन कर निर्णय कर उनकी व्याहारिकता का निर्णय कर सके

2 -इन घोषणा पत्रों या वचन पत्रों का पंजीयन चुनाव आयोग में हो।

3 -घोषणा पत्र को मीडिया में प्रकाशित करने का दायित्व चुनाव आयोग वहन करें और प्रिंट मीडिया तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया या यूट्यूब चैनल पर सभी पर बाध्यता हो कि वह चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र को क्रमशरू प्रकाशित करेंगे और देश को दिखाएंगे।

4 - घोषणा पत्रों की प्रति उन चुनाव क्षेत्र में चुनाव आयोग के मशीन के द्वारा वितरित कराई जाए जहां उक्त पार्टी या व्यक्ति चुनाव लड़ रहे हैं।

5 -जो पार्टी सत्ता में आने के बाद अपने घोषणा पत्र को पूरा ना करें उसकी मान्यता समाप्त हो।

6 - पार्टियों के घोषणा पत्रों का आर्थिक आंकलन और व्यावहारिकता का आंकलन चुनाव आयोग कराए और तदानुसार निर्णय करे।

शिकार बनने से बचा जा सकता है

सतीश सिंह

अनुसंधानकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने हाल में विश्व साइबर अपराध सूचकांक तैयार किया है। इसके अनुसार साइबर अपराध के मामले में भारत दुनिया में 10वें स्थान पर है।

सूचकांक में 100 देशों को शामिल किया गया है। साइबर अपराध के मामले में रूस शीर्ष पर है, जबकि यूक्रेन दूसरे, चीन तीसरे, अमेरिका चौथे, नाइजीरिया पांचवे, रोमानिया छठे और उत्तर कोरिया सातवे स्थान पर है। भारत में कई तरह के साइबर अपराध होते हैं। हाल के वषो में कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए साइबर अपराध करने की घटनाओं में उल्लेखनीय तेजी आई है। टेलीकॉम कंपनियां उपभोक्ताओं को कॉल फॉरवर्डिंग की सुविधा देती हैं, जिसके तहत कॉल एवं एसएमएस को फॉरवर्ड किया जाता है। उपभोक्ताओं को कॉल फॉरवर्डिंग की सुविधा नंबर पर यूएसएसडी बेस्ड कॉल फॉरवर्डिंग की सेवा को एक्टिवेट करने पर मिलती है। यूएसएसडी कोड का इस्तेमाल आम तौर पर बैलेंस या फोन का आईएमईआई नंबर जानने के लिए किया जाता है। यह ऐसा फीचर है, जिसकी मदद से एक कोड डायल करके सेवाओं को शुरू या बंद करवाया जा सकता है। कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए स्कैमर कॉल करके उपभोक्ताओं को कहता है, ह्यहम आपकी टेलीकॉम प्रोवाइडर कंपनी से बोल रहे हैं। हमने नोटिस किया है कि आपके नंबर पर नेटवर्क की समस्या है। समस्या को दूर करने के लिए आपको ह्यस्टार 401 हैशटैगह्ल नंबर डायल करना होगा।ह्ल यह नंबर डायल करने के बाद उपभोक्ता को अंजान नंबर पर कॉल करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही, उपभोक्ता कॉल करता है, उसके सभी कॉल और मैसेज स्कैमर के पास पहुंच जाते हैं, जिनमें बैंक और क्रेडिट कार्ड से किए जाने वाले लेन-देन के ओटीपी भी शामिल होते हैं। कॉल और ओटीपी का इस्तेमाल स्कैमर उपभोक्ता के बैंक खाते से पैसे निकालने, सोशल मीडिया में एक्सेस करने और नया सिम जारी करवाने में करते हैं। कॉल फॉरवर्डिंग के जरिए किए जा रहे साइबर अपराध को रोकने के लिए सरकार ने 15 अप्रैल, 2024 से यूएसएसडी बेस्ड कॉल फॉरवर्डिंग की सेवा बंद कर दी है।

विद्या बालन की दो और दो प्यार की हालत खस्ता, चंद लाख में सिमटी एलएसडी 2

दिबाकर बनर्जी की फिल्म एलएसडी 2 बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई है. फिल्म 19 अप्रैल को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और शुरुआत से ही बॉक्स ऑफिस पर बहुत स्ट्रगल करती दिखाई दे रही है. अब एलएसडी 2 को रिलीज हुए 6 दिन हो गए हैं और इन 6 दिनों में फिल्म अब तक एक करोड़ भी नहीं कमा पाई है.

सैकनिल्क की रिपोर्ट पर नजर डालें तो एलएसडी 2 ने पहले दिन 15 लाख रुपए का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन फिल्म ने 10 लाख, तीसरे दिन 40 लाख और चौथे दिन महज 8 लाख रुपए का कारोबार किया था. पांचवें दिन भी फिल्म 8 लाख रुपए ही बटोर पाई थी और अब छठे दिन के शुरुआती आंकड़ों में फिल्म अब तक 2 लाख ही कमा सका है.

एलएसडी 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब तक महज 83 लाख रुपए का ही बिजनेस किया है.एलएसडी 2 के साथ विद्या बालन स्टारर फिल्म दो और दो प्यार भी बॉक्स ऑफिस पर टकराई थी. ये फिल्म भी फ्लॉप होती नजर आ रही है. दो और दो प्यार ने 55 लाख रुपए से ओपनिंग ली थी. दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 85 लाख, तीसरे दिन 95 लाख और चौथे दिन 26 लाख रुपए रहा. पांचवें दिन दो और दो प्यार ने सिर्फ 28 लाख का बिजनेस किया था और अब छठे दिन भी अब तक 18 लाख रुपए ही कमा सकी है.दो और दो प्यार ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब तक सिर्फ 3.07 करोड़ रुपए का कारोबार किया है. ऐसे में साफ है कि दो और दो प्यार हो या एलएसडी 2 , दोनों ही फिल्में हफ्ते भर में ही पर्दे से उतरने की कगार पर है. दिबाकर बनर्जी की एलएसडी 2 की स्टारकास्ट की बात करें तो बोनिता राजपुरोहित, परितोष तिवारी, अभिनव सिंह, मौनी रॉय और स्वास्तिका मुखर्जी फिल्म का हिस्सा हैं.

आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई ने स्पेनिश पैरा बैडमिंटन में जीता रजत

नई दिल्ली, आईएएस ऑफिसर सुहास लालिनाकेरे यतिराज ने स्पेन के टोलेडो में स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में रजत पदक जीता।

पैरालंपिक रजत पदक विजेता सुहास पुरुष एकल एसएल4 फाइनल में फ्रांसीसी लुकास मजूर से 18-21, 6-21 से हार गए।

सुहास ने एक्स पर पोस्ट किया, 23 से 27 अप्रैल तक टोलेडो, स्पेन में आयोजित स्पेनिश ओपन (लेवल 1) पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में रजत पदक जीता। इस बीच, नितेश कुमार ने फाइनल में ओलेसन चेखव को 21-11, 21-13 से हराकर एसएल 3 श्रेणी में पुरुष एकल का खिताब जीता।

उबेर कप: युवा भारतीय महिला टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित की

नई दिल्ली, भारतीय महिला टीम ने रविवार को चीन के चेंगदू में अपने ग्रुप ए मुकाबले में सिंगापुर पर 4-1 से आसान जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ थॉमस और उबेर कप 2024 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। युवा टीम, जिसने अपने ग्रुप ओपनर में कनाडा को 4-1 से हराया था, पहले एकल में येओ जिया मिन द्वारा अश्मिता चालिहा को 21-15, 21-18 से हराने के बाद वापस आई। राष्ट्रीय चैंपियन प्रिया कोनजेंगबाम और श्रुति मिश्रा ने युगल मुकाबले में जिओ एन हेंग और यू जिया जिन के खिलाफ 21-15, 21-16 से जीत दर्ज कर बराबरी हासिल की, इसके बाद इशरानी बरुआ ने इंसिइरा खान को सिर्फ 31 मिनट में 21-13, 21-16 से हराकर एशियाई चैंपियंस को बढ़त दिलाई। इसके बाद पूर्व जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर ने यी टिंग एल्सा लाई और मिशेल ज़ान पर 21-8, 21-11 की शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुकाबला समाप्त किया। इसके बाद अनमोल खरब ने तीसरे और अंतिम एकल में ली शिन यी मेगन पर 21-15, 21-13 से जीत के साथ अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। अब मंगलवार को आखिरी ग्रुप मुकाबले में भारत का सामना मजबूत चीन से होगा।

छावा से विक्की कौशल की पहली झलक आई सामने, छत्रपति संभाजी महाराज बन मचाएंगे धमाल

एक्शन, पैट्रियॉटिक और कॉमेडी रोल्स में भी अपना हुनर साबित करने वाले विक्की कौशल सोशल मीडिया पर अच्छी फैन फॉलोइंग बना चुके हैं। वह एक्शन डायरेक्टर शाम कौशल के बेटे हैं। इंडस्ट्री में कॉन्टैक्ट्स होने के बावजूद विक्की कौशल ने अपने दम पर पहचान बनाई। साल 2023 में सैम बहादुर बन कर बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल ने धमाल मचा दिया था। मूवी ने डीसेंट कलेक्शन किया और विक्की को एक ऐसे एक्टर की लिस्ट में शामिल किया, जो किसी भी रोल को बारीकि से निभाना जानता हो। अब विक्की छावा के लिए तैयारी कर रहे हैं। इस मूवी की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सेट से विक्की कौशल का लुक सामने आया है।

छावा में विक्की कौशल, मराठा रूलर छत्रपति संभाजी महाराज के रोल में होंगे। इस किरदार में फिट बैठने के लिए उन्होंने अपनी फिजीक पर बहुत काम किया है। दावा किया गया है कि विक्की इस रोल के लिए 25 किलो वजन बढ़ाने पर फोकस कर रहे हैं। छत्रपति संभाजी महाराज स्ट्रॉन्ग मैन थे। उनके शेर से लड़कर उसे मारने का किस्सा पॉपुलर है। विक्की कौशल स्क्रीन पर न सिर्फ मेकअप से उनके जैसा दिखना चाहते हैं, बल्कि बॉडी से भी वैसा लुक रखना चाहते हैं।

ट्विटर पर छावा के सेट से विक्की कौशल की छत्रपति संभाजी महाराज के लुक में कुछ फोटो सामने आई हैं।

इस लुक में विक्की लंबे बाल और दाढ़ी में नजर आ रहे हैं। माथे पर चंदन और गले में रुद्राक्ष की माला पहने विक्की, छत्रपति संभाजी महाराज के लुक में पूरी तरह से रंगे नजर आ रहे हैं।

लक्ष्मण उतेकर के डायरेक्शन में बनने वाली छावा रश्मिका मंदाना और विक्की कौशल की साथ में पहली फिल्म होगी। रश्मिका का रोल विक्की की पत्नी (येसूबाई भोसले) का होगा।

बॉक्स ऑफिस पर बड़े मियां छोटे मियां की कमाई में गिरावट जारी, मैदान का भी हाल-बेहाल

अक्षय कुमार, पृथ्वीराज सुकुमारन और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां ईद के खास मौके पर रिलीज होने के बावजूद भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नही दिखा सकी।एक्शन के साथ रोमांस के तडके से भरपूर इस फिल्म की दैनिक कमाई पिछले कुछ दिनों से लगातार घटती जा रही है।अब बड़े मियां छोटे मियां की कमाई के 14वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं। यह अब तक का सबसे कम कारोबार है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म बड़े मियां छोटे मियां ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी बुधवार को 80 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 57.65 करोड़ रुपये हो गया है।मानुषी छिल्लर, सोनाक्षी सिन्हा और अलाया एफ जैसी अभिनेत्रियां भी बड़े मियां छोटे मियां का अहम हिस्सा हैं।इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है।

जेक फ्रेजर-मैकगर्क स्वाभाविक खिलाड़ी हैं और उनके हाथ की गति बहुत अच्छी है: डीसी कोच आमरे

नई दिल्ली, अगर कोई युवा बल्लेबाज है जिसने आईपीएल 2024 में क्रिकेट प्रशंसकों का ध्यान खींचा है, तो वह निस्संदेह जेक फ्रेजर-मैकगर्क हैं। हाई बैकलिफ्ट, स्थिर बेस, न्यूनतम फुटवर्क और अद्भुत बैट-स्विंग के साथ, फ्रेजर-मैकगर्क ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 311.11 के स्ट्राइक रेट से 11 चौकों और छह छक्कों की मदद से 27 गेंदों में सनसनीखेज 84 रन बनाकर इन सभी गुणों को एक बार फिर दिखाया।

फ्रेजर-मैकगर्क ने मिड-विकेट और मिड-ऑन के बीच के अंतराल में ल्यूक

वुड की गेंद पर चौका लेने के लिए अपनी कलाइयों से मारना शुरू कर दिया। अपने स्थिर फ्रेम और सुंदर कलाई की कला के साथ, फ्रेजर-मैकगर्क ने शुरुआती ओवर में 19 रन लेने के लिए दो और चौके और एक छक्का लगाया।

उन्होंने धीमी गेंद को लॉन्ग-ऑन पर छह रन के लिए भेजकर बुमराह का स्वागत किया और फ्री-हिट गेंद पर चार रन के लिए ड्राइव किया। दूसरे ओवर में 18 रन लेने के लिए फ्रेजर-मैकगर्क ने बुमराह को चौका लगाकर ओवर खत्म किया। उन्होंने नुवान तुषारा पर तीन चौके लगाए, इसके बाद पीयूष चावला की गेंद पर डीप मिडविकेट पर स्लॉग-स्वीप करके 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। चावला पर एक और चौका लगाने के बाद, फ्रेजर-मैकगर्क ने हार्दिक पंड्या को दो चौके और इतने ही छक्के लगाकर पांचवें ओवर में 20 रन बटोरे, जिसमें मिड ऑफ के ऊपर से इनसाइड-आउट लॉफ्ट सबसे खास रहा। हां, उसे मौका पाने से पहले चार-पांच मैच तक इंतजार करना पड़ा। लेकिन जब हम उसे नेट्स में देख रहे थे, तब भी उसके पास कुछ अलग था, वह एक्स-फैक्टर। यहां भी, उसने सिर्फ मैच की शुरुआत की और इसकी वजह से पारी के छह ओवर के बाद हमारा स्कोर बिना किसी नुकसान के 92 रन था।

मुसीबत बन रहा बंदरों का झुंड, घरों में कैद हुए लोग

कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में लगातार बढ़ रहा बंदरों का आतंक ,शिकायत के बाद भी समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा सिस्टम

कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत बद्रीनाथ मार्ग पर सड़क किनारे बैठे बंदर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर में शायद ही कोई मोहल्ला या वार्ड ऐसा हो जहां आपको गलियों में घूमता हुआ बंदरों का उत्पाती झुंड न दिखाई दें। लगातार बढ़ रहे बंदरों के आतंक से क्षेत्रवासी घरों में कैद होकर रह गए हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों व बुजुर्गों को हो रही है। आए दिन अस्पताल में बंदर के हमले में घायल हुए जन पहुंच रहे हैं। कुछ दिन पूर्व गोविंदनगर में बंदर के हमले से बचने के प्रयास में एक व्यक्ति छत से नीचे गिर गया था। बंदरों के आतंक से निजात दिलवाने में नगर निगम व वन विभाग भी गंभीरता नहीं दिखा रहा।

पिछले कुछ माह से क्षेत्र में बंदरों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। सुबह से ही बंदर घरों में उत्पात मचाना शुरू कर देते हैं। बंदरों के कारण वार्डवासियों का अपने घरों की छत पर कपड़े व अनाज सुखाना भी मुश्किल हो गया है। बेलाडाट निवासी पुष्पा देवी, अनीता देवी ने बताया कि बंदरों ने छतों में लगे टंकी के ढक्कन तक तोड़ दिए हैं। यही नहीं, बंदरों के डर से बच्चों ने घर के बाहर खेलना भी छोड़ दिया है। अभिभावकों को अपने बच्चों को स्कूल भेजने व लेने के लिए साथ में जाना पड़ रहा है। बंदरों ने घरों के बाहर खेतों में लगाई गई साग-सब्जियों को भी बर्बाद कर दिया है। दरवाजे खुले होने पर बंदरों का झुंड घर के अंदर पहुंच जाता है।

सड़क पर हो रही दुर्घटनाएं

बंदरों का झुंड मोहल्लों के साथ ही शहर की सड़कों पर भी घूमा रहा है। ऐसे में अचानक से सड़क पार कर रहे बंदरों से दोपहिया वाहन चालकों को खतरा बना रहता है। शनिवार को मानपुर में सड़क पार कर रहे बंदर को देख एक बाइक चालक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम व वन विभाग से बंदरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाने की मांग की है।

कनिष्क रतूड़ी ने पास की जेईई मैन परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शिवपुर निवासी कनिष्क रतूड़ी ने 96.76 प्रतिशत अंकों के साथ जेईई मैन परीक्षा उत्तीर्ण की है। कनिष्क ने श्री गुरुरामराय पब्लिक स्कूल कोटद्वार से 12 वीं की परीक्षा पास की है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय पिता कपिल रतूड़ी व माता साधना रतूड़ी के साथ ही अपने अध्यापकों को दिया है। कनिष्क मूल रूप से यमकेश्वर विकासखंड के सीला गांव के रहने वाले हैं।

बेकाबू हुई जंगल की आग, कंदोली में आठ गोशालाएं जली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गर्मी के मौसम में जंगलों की आग लगातार बेकाबू होती जा रही है। हालत यह है कि विकास खंड जयहरीखाल के ग्राम पंचायत कंदोली में जंगल की आग से गांव में आठ गोशालाएं पूरी तरह जल गई हैं। गनीमत यह रही कि घटना के वक्त छानियों में कोई ग्रामीण व पशु नहीं थे। ग्रामीणों व वन विभाग ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्राम कंदोली में जंगल की आग आसपास के इलाके में फैलने लगी। इस दौरान देखते ही देखते आठ गोशालाएं आग की चपेट में आ गईं। घटना की सूचना पर भूमि संरक्षण वन प्रभाग की जयहरीखाल टीम मौके पर पहुंची। जहां ग्रामीणों की मदद से टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। ग्राम प्रधान जितेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि शुक्रवार शाम गांव के मधुगंगेश्वर मंदिर के निकट जंगल से आगलगी की घटना हुई। जो नापखेतों से आठ गोशालाओं तक पहुंची। इससे नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि छानी में इन दिनों कोई परिवार नहीं रहता था। ग्रामीणों का कहना है कि आग से एक पशुपालक गंगोत्री देवी की गाय झुलस गई है। भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडौन की जयहरीखाल रेंज के वन क्षेत्राधिकारी बीडी जोशी ने बताया ग्रामीणों की मदद से आग पर देर सायं काबू पाया गया। नायब तसीलदार सतपुली सुजान सिंह ने बताया कि वनाग्नि से आठ गोशालाओं को नुकसान पहुंचा है। कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सुरेंद्र सिंह गुसांई, हरीशचंद्र ध्यानी, वन दरोगा हरक सिंह दानू सहित ग्रामीणों मौजूद रहे।

बच्चों का करवाया स्कूल में दाखिला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः ऑपरेशन मुक्ति भिक्षा नहीं शिक्षा दे अभियान के तहत जिले की पुलिस द्वारा शिक्षा से वंचित नौ बच्चों का स्कूल में दाखिला कराया। पुलिस ने बताया ये सभी बच्चे भिक्षावृत्ति, कूड़ा बीनने, गुब्बारा बेचने आदि कार्यों में लिप्त थे। एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने बताया कि इन चिन्हित बच्चों में से 9 बच्चों का ऑपरेशन मुक्ति टीम द्वारा कोटद्वार क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों में दाखिला कराया गया है। बताया कि बच्चों का स्कूल में दाखिला करवाने पर परिजनों और शिक्षकों द्वारा उत्तराखण्ड पुलिस की ऑपरेशन मुक्ति मुहिम की प्रशंसा करते हुए आभार प्रकट किया गया। बताया कि पुलिस द्वारा अभी तक शिक्षा से वंचित 30 बच्चों का विभिन्न स्कूलों में दाखिला कराया गया है।

नवदंपति ने समलौंण पौधा रोपा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कंडारस्यूं पट्टी के दौला गांव में नवदंपति ने वैवाहिक जीवन शुरू करने से पहले समलौंण पौध लगाई। उन्होंने सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण को लेकर अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। समलौण सेना नायिका बीना देवी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नवदंपतियों से समलौंण(यादगार निशानी) के रूप में पौधारोपण अभियान चलाया गया। इसी तर्ज पर नवदंपति मनीष व प्रेमलता ने घर के आंगन में फलदार समलौंण पौधा लगाया। पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी दूल्हे की मां श्यामा देवी ने ली। इस मौके पर सेना की सदस्य सुमति देवी, उमा देवी, बीरा देवी, सरोजनी देवी, लक्ष्मी देवी, राजूलाल आदि शामिल रहे।

योग से निरोग रहने का दिया संदेश

योग शिविर में योगाभ्यास करती महिलाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः महिला पतंजलि योग समिति की ओर से सत्तीचौड़ में सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान योग शिक्षकों ने आमजन को योग के माध्यम से स्वस्थ रहने के तरीके बताए।

समिति की सदस्या शोभा रावत ने कहा कि योग के माध्यम से हम अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। नित्य योग से बड़ी से बड़ी बीमारियों को भी दूर किया जा सकता है। इस दौरान अभिभावकों से अपने बच्चों को भी योगाभ्यास करवाने की अपील की गई। कहा कि हमें प्रतिदिन सूर्योदय से पूर्व उठकर योगाभ्यास करने की आदत अपनानी चाहिए। इसके उपरांत यज्ञ भी किया गया। इस मौके पर पुष्पा नेगी, विमला रावत, देवेश्वरी भंडारी, शशि देवी, पिंकी देवी, कलावती देवी, मधु गुसाईं, देवेश्वरी चौहान आदि मौजूद रहे।

स्वच्छता अभियान चलाकर किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः क्लीन हिमालयन अभियान द्वारा रविवार को प्रेमनगर से आगे व्यू प्वाइंट के पास सफाई अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान बड़ी संख्या में प्लास्टिक व खाली बोतले जमा की गई। इस दौरान नगर पालिका की पूर्व सभासद यशोदा नेगी ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि सभी को अपने आसपास सफाई जरूर रखनी चाहिए। इस मौके पर निर्णय लिया गया कि अब एक जगह का चयन कर लोगों के घर जाकर उन्हें कूड़े रखने के लिये पोली बैग दिये जाएंगे और लोगो को स्वच्छता के लिए जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर क्लीन हिमालयन कैंपेन के संस्थापक हर्ष वर्धन चंदोला, आशुतोष, अनमोल कंडवाल, अनूप, राकेश गौरशाली आदि शामिल थे।

नाबालिग को दिया वाहन तो जेल जाएंगे अभिभावक

अपर पुलिस अधीक्षक जया बलोनी ने ली अभिभावक व शैक्षणिक संस्थानों की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः शहर में नाबालिग बच्चों द्वारा वाहन चलाने की घटनाओं पर पुलिस ने गंभीरता दिखाना शुरू कर दिया है। इसके लिए अपर पुलिस अधीक्षक जया बलोनी ने अभिभावकों व शैक्षणिक संस्थाओं को सख्त हिदायत दी है। कहा कि यदि कोई भी नाबालिग वाहन चलाता हुआ पकड़ा गया तो वाहन स्वामी व बच्चे के अभिभावक के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आमजन से भी सहयोग की अपील की।

रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली में अभिभावक व शैक्षणिक संस्थानों की बैठक लेते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कई अभिभावक

कोटद्वार कोतवाली में अभिभावकों व शैक्षणिक संस्थानों की बैठक लेते एएसपी

स्कूल जाने व आने के लिए अपने बच्चों को मोटरसाइकिल या स्कूटी दे देते हैं। ऐसे में अभिभावकों की यह लापरवाही बच्चों के जीवन पर भारी पड़ सकती है। कहा कि नाबालिग बच्चे का वाहन चलाना कानूनन जुर्म है। और इस अपराध के लिए लिए अभिभावक ही जिम्मेदार होंगे। मोटर वाहन अधिनियम में नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर 25 हजार रुपये का जुर्माना व अभिभावकों/ वाहन स्वामियों को तीन माह तक की सजा का प्रावधान है। इसलिए बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्हें वाहन न दें। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों से भी ऐसे बच्चों की शिकायत पुलिस को देने के निर्देश दिए जो स्कूल में मोटरसाइकिल या फिर स्कूटी से आते हैं। इस अभियान को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस की विशेष टीम भी गठित की गई है।

एक नजर

प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती का राशिसं ने किया विरोध

रुद्रप्रयाग। प्रदेश में प्रधानाचार्य की सीधी भर्ती परीक्षा का राजकीय शिक्षक संघ ने पुरजोर विरोध किया है। उन्होंने इसे वरिष्ठ शिक्षकों के साथ अन्याय करार दिया है।

संघ का कहना है कि सीधी भर्ती प्रक्रिया से वंचित शिक्षकों के साथ किया जा रहा भेदभाव और अन्याय बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इस नियमावली से प्रदेश के एलटी कैडर के शिक्षकों में भारी आक्रोश है। मीडिया को जारी बयान में संघ के जिलाध्यक्ष नरेश कुमार भट्ट ने बताया कि प्रधानाचार्य का पद पदोन्नति का पद है।

सभी खाली पदों को शत प्रतिशत पदोन्नति से भरा जाना चाहिए। जनपद कार्यकारिणी प्रांतीय कार्यकारिणी के साथ मिलकर इस प्रक्रिया का पुरजोर विरोध करेगी।

कृष्ण चौक से आंचल डेयरी तक सौंदर्यीकरण की मांग

नई टिहरी। नागरिक मंच ने नगर पालिका परिषद नई टिहरी के प्रशासक एसडीएम टिहरी को पत्र लिखकर मांग की है कि नगर के कृष्ण चौक से आंचल डेयरी मुख्य मार्ग तक दीवारों पर रंग–रोगन, वाल पेटिंग और सौंदर्यीकरण कार्य करवाये जाएं।

नागरिक मंच के अध्यक्ष सुंदर लाल उनियाल और मंत्री जेजे सिंह नेगी ने नगर पालिका के प्रशासक को लिखे पत्र के माध्यम से मांग की है कि नई टिहरी शहर में कृष्ण चौक से आंचल डेयरी मुख्य मार्ग पर अवस्थित जे व एल ब्लाक व राज विद्या केंद्र नई टिहरी के मुख्य स्थल हैं।

इन स्थलों में सरकारी कर्मचारियों के निवास होने के साथ ही होटल मैनेजमेंट कालेज, राकउमा विद्यालय आदि संस्थान भी हैं।

सब्जी से भरा लोडर दुर्घटनाग्रस्त, चालक घायल

नई टिहरी। ऋषिकेश–बदरीनाथ राजमार्ग पर तोता घाटी में लोडर बेकाबू होकर गहरी खाई में गिरते हुए एक पेड़ पर अटक गया।

इसमें हेल्पर किसी तरह निकलकर सड़क तक पहुंच गया। मगर चालक वाहन में ही फंस गया। एसडीआरएफ व पुलिस टीम ने काफी मशक्कत के बाद चालक को निकालकर एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया। लोडर के पेड़ पर अटकने से चालक और हेल्पर की जान बच गई।

शिवराजपुर व मोटाढांग में बनी पेयजल किल्लत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गर्मी बढ़ने के साथ ही पेयजल किल्लत ने आमजन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालत यह है कि भाबर क्षेत्र के अंतर्गत शिवराजपुर व मोटाढांग क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पेयजल संकट बना हुआ है।

पानी की तलाश में वार्डवासियों को इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। लीकेज पेयजल लाइनों से जहां कई घरों में पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा है। वहीं, कई ऐसे मोहल्ले व वार्ड भी हैं जहां पानी की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है। शिवराजपुर व मोटाढांक के अधिकांश घरों में पिछले एक माह से पेयजल संकट बना हुआ है।

क्षेत्रवासी मुन्नी देवी, प्रीति देवी ने बताया कि गर्मी का मौसम शुरू होते ही उनके क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने लगता है। बूढ़ी हो चुकी पेयजल लाइनों को बदलवाने के लिए क्षेत्रवासी कई बार शासन–प्रशासन को पत्र दे चुके हैं।

पानी के इंतजार में सूखा पड़ा नल

लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। पेयजल संकट के कारण सबसे अधिक परेशानी क्षेत्र में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को हो रही है। कई मोहल्लों में अब तक जल संस्थान ने पेयजल टैंक भी नहीं भेजा है। क्षेत्रवासियों ने जल्द समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन की भी चेतावनी दी है। कहा कि क्षेत्रवासियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आध्यात्मिक संस्कृति से जोड़ती हैं कथाएं

ऋषिकेश। कथा मर्मज्ञ राधाकृष्ण महाराज ने कहा कि कथाएं हमें अपनी आध्यात्मिक संस्कृति से जोड़ती हैं। कथा हमें हरिः शरणम् का संदेश देती हैं। धनवान वह नहीं, जिसकी तिजोरी में धन हो, बल्कि धनवान वह है, जिसके जीवन की तिजोरी में मानवता हो, प्रेम हो, इंसानियत और ईमानदारी हो।रविवार को परमार्थ निकेतन में चल रही श्रीमद भागवत कथा के चौथे दिन कथा वाचक राधाकृष्ण महाराज ने कहा कि प्राचीन काल में हमारे पूर्वजों की सुबह भजनमय और संगीतमय होती थी। सांयकाल में संध्या वंदन होता था, परन्तु समय के साथ हम इन दिव्य परम्पराओं से दूर हो रहे हैं।

नाली बनाने को खोदी सड़क, वाहनों की आवाजाही में दिक्कत

चमोली। कर्णप्रयाग के मुख्य बाजार में एक माह से बंद नाली को लोनिवि और एनएच ने सड़क के बीचोंबीच पाइप बिछाकर खोल दिया है। लेकिन, पाइप को दबाने के लिए डामर की जगह मिट्टी बिछाने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कर्णप्रयाग बाजार में एक माह पहले नाली बंद होने से दूषित पानी सड़क पर बह रहा था। इससे परेशान होकर स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने नगर पालिका और लोक निर्माण विभाग के अधकारियों से शिकायत की थी। फिर तीन दिन पहले विभाग ने मुख्य बाजार में सड़क खोदकर नाली तो बना दी, लेकिन डामर नहीं बिछाया। एसे में सड़क पर गड्ढा बनने से वाहनों की आवाजाही में परेशानी हो रही है। व्यापार संघ अध्यक्ष बीरेंद्र मिंगवाल, महेश खंडूड़ी, पुष्कर रावत, लखपत सगोई आदि ने एसडीएम से मुलाकात कर सड़क दुरत करने की मांग उठाई है।

श्रीनगर से डिम्मर गांव के लिए निकली गाडू घड़ा यात्रा

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर में शनिवार को तेल कलश गाडू घड़ा यात्रा (अभिषेक तेल कलश) के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शनिवार देर शाम गाडू घड़ा यात्रा ऋषिकेश से रवाना होकर कीर्तिनगर से श्रीनगर पहुंची। जहां बैंड बाजों के साथ गाडू घड़ा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। गाडू घड़ा यात्रा ने रात्रि प्रवास बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति की धर्मशाला में किया। गाडू घड़ा यात्रा के दर्शन करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दोपहर बाद गाडू घड़ा यात्रा डिम्मर (कर्णप्रयाग) के लिए रवाना हुई। बदरीनाथ डिमरी केंद्रीय समिति के अध्यक्ष आशुतोष डिमरी ने कहा कि डिम्मर गांव में एक हफ्ते के लिए कलश को लक्ष्मी नारायण मंदिर के गर्भगृह में रखा जाएगा। इसके बाद कलश यात्रा 9 मई को नृसिंह मंदिर जोशीमठ पहुंचेगी। कहा कि 10 मई को कलश यात्रा पांडुकेश्वर और 11 मई को यात्रा शंकराचार्य की गद्दीस्थल जोशीमठ पहुंचेगी। यहां से कलश यात्रा कुबेर और उद्धव की डोली के साथ बदरीनाथ पहुंचेगी। 12 मई को कपाट खुलने के बाद गाडू घड़े को बदरीनाथ मंदिर के गर्भगृह में रख दिया जाएगा। जिसका इस्तेमाल रोजाना महाभिषेक में किया जाएगा। यात्रा में भगवती प्रसाद डिमरी, टीका प्रसाद डिमरी, शैलेंद्र प्रसाद डिमरी, दिनेश प्रसाद डिमरी, राजेंद्र प्रसाद डिमरी, हर्षवर्धन प्रसाद डिमरी, अनिल डिमरी आदि शामिल थे।

यमुना के शीतकालीन प्रवास पहुंची पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्रा

उत्तरकाशी। भैरव सेना के पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्रा रविवार को 31 सदस्य दल जिलाध्यक्ष उत्तरकाशी अनुज नौटियाल के नेतृत्व में यमुना के शीतकालीन धाम पहुंचा। जहां जोरदार जयकारों के साथ दल का स्वागत किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष अनीता थापा ने यमुना के शीतकालीन धाम में पंचगव्य अर्पित कर मंदिर प्रांगण परिक्षेत्र में सभी को पंचगव्य का आचमन करवाया। इस मौके पर केन्द्रीय अध्यक्ष संदीप खत्री ने बताया कि यात्रा के माध्यम से आम जनमानस को पंचगव्य तथा गौमाता के महत्वता के प्रति जागरूक करना है तथा शासन तक मजबूती के साथ मांग पहुंचाना संगठन का उद्देश्य है। उन्होंने गाय माता की महत्वता के बारे में यहां उपस्थित लोगों को बताया। तथा कहा कि भैरव सेना के पंचगव्य शुद्धिकरण अभियान यात्रा का यह दल चारों धामों में जाकर लोगो को पंचगव्य अर्पित करेगा तथा गौ माता एवं पंचगव्य के महत्व को लेकर जागरूक करेगा। इस मौके पर भैरव सेना के केंद्रीय सचिव संजय पंवार, प्रदेश मिडिया प्रभारी करण शर्मा, प्रदेश सचिव सरोज शाह, जिलाध्यक्ष सुनीता थापा, जिला उपाध्यक्ष गीता बिष्ट, गणेश जोशी अनु राजपूत, अमन पासवान आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कर्णप्रयाग में नाली बनाने को खोदी सड़क, वाहनों की आवाजाही में दिक्कत

चमोली। कर्णप्रयाग के मुख्य बाजार में एक माह से बंद नाली को लोनिवि और एनएच ने सड़क के बीचोंबीच पाइप बिछाकर खोल दिया है। लेकिन, पाइप को दबाने के लिए डामर की जगह मिट्टी बिछाने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कर्णप्रयाग बाजार में एक माह पहले नाली बंद होने से दूषित पानी सड़क पर बह रहा था। इससे परेशान होकर स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने नगर पालिका और लोक निर्माण विभाग के अधकारियों से शिकायत की थी। फिर तीन दिन पहले विभाग ने मुख्य बाजार में सड़क खोदकर नाली तो बना दी,

एनआईटी में 11 सदस्यों की टीम ने किया अकादमिक ऑडिट

श्रीनगर गढ़वाल। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड (एनआईटीयूके) में विभागों के शैक्षिक गुणवत्ता और पाठ्यक्रम आकलन के लिए अकादमिक ऑडिट हो चुका है। विभागों की गुणवत्ता परखने लिए बाहरी विशेषज्ञों का ग्यारह सदस्यीय दल एनआईटी पहुंचा था। आईआईटी दिल्ली से सेवानिवृत्त प्रो. चंद्रशेखर की अध्यक्षता में ऑडिट टीम ने 26 अप्रैल से 28 अप्रैल के मध्य सभी विभागों का एकेडमिक ऑडिट किया। इस दौरान दल के चेयरमैन प्रो. चंद्रशेखर ने अवलोकन कर छात्रों, संकाय सदस्यों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से बातचीत के आधार पर पाठ्यक्रम गतिविधियों को मजबूत करने के लिए सुझाव और इनपुट दिए। तथा कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भी प्रेरित किया। एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि अकादमिक ऑडिट, बाह्य रूप से शैक्षिक प्रक्रिया की गुणवत्ता की समीक्षा करने की एक वैज्ञानिक प्रणालीगत पद्धति है। कहा कि किसी भी संस्थान में शैक्षणिक गतिविधियों की कमजोरियों और ताकत की पहचान के लिए अकादमिक ऑडिट बहुत महत्वपूर्ण है।

शिव ज्ञान, धाम और नाम के दाता है : मोरारी बापू

रुद्रप्रयाग। शिव समान कोई दाता नहीं है, शिव संसार का मूल तत्व है। इसलिए भगवान शिव के बिना सबकुछ अधूरा है। श्रीराम कथा के केंद्र में मानस रुद्र संहिता को रखते हुए इस दिव्य कथा का श्रवण भक्तों को करवाया जा रहा है।

मुख्यालय स्थित गुलाबराय मैदान में आयोजित श्रीराम कथा के दूसरे दिन विश्व विख्यात कथा प्रवक्ता मोरारी बापू ने कहा कि शिव के समान कोई दाता नहीं है। शिव ज्ञान के दाता है। शिव मोक्ष दाता है, शिव धाम दाता भी है और शिव नाम दाता भी है। शिव प्रधान और परम प्रधान है। बापू ने कहा कि हमारे जीवन में विवेक कैसे आए, वैराग्य की वृद्धि कैसे हो इसके लिए प्रभु प्रेम ही एक मात्र रास्ता है।

सत्य, प्रेम, करुणा के साथ भगवान के करीब जाने का अवसर मिलता है। कहा कि शिव मूल तत्व है। भगवान शिव की नगरी रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी का संगम है। यह स्थान दिव्य है। श्रीराम कथा के केंद्र में मानस रुद्र संहिता को रखते भक्तों को इस दिव्य कथा का रसपानक कराया जा रहा है। बापू ने कहा कि मैं गंगाजल इसलिए पीता हूं कि इससे शिव जुड़े हैं। उन्होंने रामकथा के दूसरे दिन भगवान राम, शिव के संबंधों पर भी प्रवचन दिया। कहा कि शिव के अराध्य राम और राम के अराध्य शिव हैं। मौके पर मुख्य यजमान रुपल काणक्य, राजनीश काणक्य, आशीष काणक्य, नियति काणक्य, विवेक सगित, रामकुमार ज्ञा, प्रदीप बगवाड़ी, माधो सिंह नेगी, प्रवीन सेमवाल, राजेंद्र नौटियाल, प्रशांत डोभाल, दीपक भंडारी, अशोक चौधरी, रोशन ज्ञा, अनुसूया प्रसाद जोशी सहित बड़ी संख्या में जिले के भक्त मौजूद थे।

पुलिस ने अभियान चला 24 दुपहिया वाहन सीज किए

नई टिहरी। लोगों की शिकायत पर एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर थाना मुनिकीरेती पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों, हुड़दंग मचाने वालों व यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 24 दुपहिया वाहनों को सीज किया है।

साथ ही पुलिस ने 27 का चालान किए। पुलिस की मीडिया सेल ने बताया कि बीती रात को शिवानंद गेट, तपोवन तिराहा, लक्ष्मण झूला तिराहा, मधुवन तिराहा पर चेकिंग टीम ने अभियान चलाया।

शिप्रा डोभाल और महेंद्र नगर कांग्रेस मीडिया प्रभारी नियुक्त

श्रीनगर गढ़वाल। रविवार को नगर कांग्रेस कमेटी श्रीनगर की बैठक में कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नगर निगम चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा की। कांग्रेस कार्यालय श्रीनगर में नगर कांग्रेस अध्यक्ष सूरज घिल्ड़ियाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि नगर निगम चुनाव के मध्येनजर आगामी 5 मई को मेयर और पार्षद पद के लिए आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। बैठक में वरिष्ठ कांग्रेसी बीरेंद्र सिंह नेगी को नगर निगम चुनाव को देखते हुए संरक्षण नियुक्त किया गया। सर्वसम्मति से शिप्रा डोभाल एवं महेंद्र बर्त्वाल को नगर कांग्रेस मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। संगठन विरोधी गतिविधियों को देखते हुए कांग्रेस के विजय रावल को पार्टी से निष्कासित किया गया। मौके पर सुरेंद्र सिंह चौहान, वाईएस पंवार, जीएन सेमवाल, बलवीर सिंह रावत, शिव लाल, राजेंद्र रावत,सुधांशु नौडियाल, रघुवीर प्रसाद, मुकेश अग्रवाल, द्वारिका सिंह पंवार आदि मौजूद थे।

खाता खतौनी की नकल न मिलने से लोग परेशान

नई टिहरी। बालगंगा तहसील में बीते एक माह से खाता खतौनी की नकल नहीं मिल पा रही है। जिस कारण स्थानीय जनता को तमाम दस्तावेजों को बनानें में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मामले को लेकर जनप्रतिनिधियों ने तहसील में पहुंचकर नाराजगी जताई। प्रधान संगठन अध्यक्ष दिनेश भजनियाल ने कहा कि सीमांत क्षेत्र होने के साथ–साथ भिलंगना ब्लॉक का सबसे बड़ा क्षेत्र बालगंगा तहसील में सिर्फ खाता खतौनी ही निकलती थी। लेकिन पिछले एक माह से खाता खतौनी भी नहीं निकल पा रही है। यहां पर अन्य कुछ भी प्रमाण पत्र नहीं बन पाते हैं।

एक नजर

युवक को सरेराह पीटकर घायल किया

हरिद्वार। कुछ युवकों ने सरेराह एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। पीड़ित की तरफ से तीन हमलावरों को नामजद करते हुए शहर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी गई है। जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना चित्रा टाकीज के पास हैप्पी स्कूल वाली गली की है। क्षेत्र की बिल्वकेश्वर कालोनी निवासी दीपक शर्मा शनिवार को अपने दोस्त से मिलकर वापस लौट रहे थे। आरोप है कि अचानक कुछ युवकों ने उन्हें रोक लिया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता उन युवकों ने उस पर बेल्टों से हमला बुरी तरह से पीट दिया। जिसके बाद आरोपी उसे हत्या की धमकी देकर फरार हो गए। युवक की आंख के अलावा शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि पीड़ित मारपीट करने वाले युवकों के नाम कन्हैया, सत्यम और बॉबी बताए हैं। अन्य आरोपियों को भी चिन्हित किया जा रहा है।

गुरुकुल कांगड़ी विवि प्रशासन छात्रों के सामने झुका, सभी मांगे मानी

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के छात्र बीते कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में आंदोलन कर रहे थे। बीते शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सह नगर मंत्री आशु मलिक के नेतृत्व में छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर कुलपति कार्यालय पर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। पहले तो विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की मांगों को गंभीरता से नहीं ले रहा था। आरोप है कि छात्रों से वार्ता करने के लिए भी विवि प्रशासन तैयार नहीं हो पा रहा था। शनिवार देर शाम छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर कुलपति कार्यालय के गेट पर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुछ कर्मचारी भी छात्रों के समर्थन में आ गए और कर्मचारियों ने भी छात्रों के समर्थन में नारेबाजी शुरू कर दी। ऐसे में छात्रों और कर्मचारियों के एक साथ आने पर विवि प्रशासन दबाव में आ गया।

सड़क सुधारीकरण के चलते माल रोड पर नहीं चलेंगे चौपहिया वाहन

अल्मोड़ा, काफी समय से दुर्दशा झेल रहे शिखर तिराहे से जाखनदेवी मोटर मार्ग पर डामरीकरण का कार्य शुरू हो गया है। शनिवार से डामरीकरण के चलते चौपहिया वाहनों के लिए मार्ग पूरी तरह बंद कर दी गई है। मुख्य सड़क पर वाहनों का आवागमन बंद होने से रोडवेज समेत अन्य वाहनों को लोअर मालरोड से आगे भेजा जा रहा है। जल निगम द्वारा एक जनवरी से मालरोड स्थित शिखर तिराहे से जाखनदेवी तक सीवर लाइन बिछाने का काम शुरू किया गया। जनवरी माह में समाप्त होने वाला कार्य फरवरी और मार्च में भी चलता रहा। इस दौरान निर्माण कार्य से निकली मिट्टी को सड़क पर ही फेंक दिया गया। सड़क पर पड़े गड्ढों और मिट्टी से लोगों को आवाजाही में दिक्कतें हुईं और व्यापारियों को धूल से नुकसान झेलना पड़ा। लोगों के विरोध के बाद विभाग ने काम तो पूरा कर दिया, लेकिन डामरीकरण नहीं किया। काफी समय बाद जब विरोध बढ़ा तो सड़क पर डामरीकरण का कार्य शुरू हुआ है। इसके चलते 31 मई तक शिखर तिराहे से जाखनदेवी मार्ग में चौपहिया वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

गैस उपभोक्ताओं को जागरूक कर रहे इंडेन कर्मी

अल्मोड़ा। इंडियन आयल कारपोरेशन एवं इण्डेन गैस एजेंसी ने यहां इन दिनों ग्राहक जागरूकता अभियान चलाया हुआ है। संयुक्त टीम घर-घर जाकर रसोई गैस सिस्टम चेक कर रही है और घरेलू एलपीजी सिलेंडर के सुरक्षात्मक तरीके उपयोग करने के तरीके समझा रही है। इसी सिलसिले में आईओसी के सेल्स ऑफिसर रोहित गुप्ता व गैस प्रबंधक मुकेश जलाल स्वयं कई घरों में पहुंचे और उपभोक्ताओं को जागरूक किया। पिछले कुछ दिनों से यहां रसोई गैस सर्विस से संबंधित टीम घर-घर पहुंच रही हैं और उपभोक्ताओं को सुरक्षित तरीके से रसोई गैस के उपयोग के लिए प्रेरित कर रहे हैं। साथ ही सुरक्षित उपयोग के तरीके बताए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपयोग करते समय ध्यान रखने योग्य जरूरी बातें बताई जा रही हैं। वहीं घरों में चूल्हा, रेगुलेटर, गैस पाइप इत्यादि की चेकिंग की जा रही है कि मानक के अनुसार हैं या नहीं। यह भी बताया गया है कि एलपीजी से संबंधित पूछताछ या शिकायत के लिए उपभोक्ता टॉल फ्री नंबर 1906 पर काल कर सकते हैं।

महाराज ने देखी श्रीदेव सुमन पर आधारित गढवाली फिल्म

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज अपनी पुत्रवधू के साथ राजपुर रोड स्थित एक माल में उत्तराखंड के महान स्वतंत्रता सेनानी, बलिदानी अमर शहीद श्रीदेव सुमन के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक गढवाली फिल्म ह्यपहाडी रत्न श्रीदेव सुमनह्ल देखने पहुंचे। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज अपनी पुत्रवधू के साथ रविवार को राजपुर रोड स्थित सिल्वर सीटी माल में अपनी पुत्रवधू के साथ राजपुर रोड स्थित एक माल में 20 अप्रैल से प्रदर्शित हो रही पहाडी फिल्म के बैनर तले बनी उत्तराखंड के महान स्वतंत्रता सेनानी, बलिदानी अमर शहीद श्रीदेव सुमन के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक गढवाली फिल्म ह्यपहाडी रत्न श्रीदेव सुमनह्ल देखने पहुंचे।

फिल्म देखने के बाद श्री महाराज ने कहा कि निर्माता विक्रम नेगी द्वारा बनाई इस गढ़वाली फिल्म में बेगारी प्रथा की स्पष्ट झलक दिखलाई गई है।

श्रीदेव सुमन 28 वर्ष की अल्पायु में शहीद हो थे। वह एक कवि, लेखक व पत्रकार भी रहे और काफी दिन आगरा सेन्ट्रल जेल में कैदी रहे। ऐसी महान विभूति पर यह उत्कृष्ट गढवाली फिल्म बनी है। निश्चित रूप से श्रीदेव सुमन की शौर्य गाथा पर बनी यह फिल्म आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है।

श्री महाराज ने फिल्म निर्माण से जुड़े मुख्य कलाकार राजेश मालगुडी, अनुज कण्डारी, शिवानी भण्डारी, टीना नेगी, रवि ममगाई, प्रकाश विष्ट सहित सभी कलाकारों को बेहतरीन अभिनय और निर्देशन के लिए ब्रज रावत, कथासार व शोध संकलन के लिए डा० एम० आर० सकलानी सहित पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

ब्रह्मलीन संत की अस्थियां गंगा में विसर्जित की

हरिद्वार। श्रीपंचायती अखाड़ा निर्मल से जुड़ी पंजाब की ब्रह्मलीन संत प्रीतम कौर की अस्थियां विधि-विधान से सतीघाट कनखल में गंगा में विसर्जित की गई। विसर्जन से पूर्व अस्थि कलश को श्री पंचयती अखाड़ा निर्मल में लाया गया और अखंड पाठ और अरदास कर ब्रह्मलीन संत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। अखाड़े के सभी संतों ने अस्थि कलश पर पुष्पांजलि अर्पित कर ब्रह्मलीन संत को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। श्री पंचायती अखाड़ा निर्मल के कोठारी महंत जसविन्दर सिंह ने कहा कि ब्रह्मलीन संत प्रीतम कौर दिव्या आत्मा थीं। सनातन धर्म और संस्कृति का प्रचार प्रसार करते हुए भक्तों में आध्यात्मिक चेतना जगाने में उनका अहम योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। संत प्रीतम कौर की शिष्या गगनदीप कौर ने कहा कि गुरु से मिले ज्ञान और शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए धर्म और मानव सेवा में योगदान करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

तीन किलो 400 ग्राम चरस के साथ नेपाली समेत दो तस्कर गिरफ्तार

देहरादून। तीन किलो 400 ग्राम चरस के साथ एसटीएफ की एएनटीएफ ने दो तस्कर गिरफ्तार किए हैं। आरोपियों में एक नेपाली नागरिक भी शामिल है। वह नेपाल से चरस लेकर दून पहुंचा था। एसटीएफ की इस कार्रवाई के दौरान दो आरोपी मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश की जा रही है। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि नशा तस्करी की सूचना पर शनिवार शाम को एसटीएफ ने तपोवन रोड एनसीसी कार्यालय के पास कार्रवाई की। यहां सड़क किनारे खड़ी एक कार के पास तीन युवक खड़े थे। एएनटीएफ टीम निरीक्षक नीरज चौधरी टीम संग मौके पर पहुंचे। इस दौरान तीनों आरोपी कार छोड़कर मौके से भागने लगे। आयुष रावत उम्र बीस वर्ष निवासी नेगर थाना देवप्रयाग, टिहरी को पीछा कर गिरफ्तार कर लिया गया। आयुष रावत से 1270 ग्राम चरस मिली। उसने बताया कि मौके से फरार हुए आरोपियों के नाम नीरज कठैत पुत्र रोशन कठैत निवासी साबली तल्ली टिहरी गढ़वाल और दूसरे का नाम सौरभ चौहान पुत्र वीर सिंह चौहान निवासी डनसारा टिहरी गढ़वाल है। एसटीएफ ने आरोपी आयुष रावत से चरस को लेकर पूछताछ की। इस दौरान उसने बताया कि चरस उनके पास नेपाल से धर्मराज धामी लाता है। पता लगा कि वह हाल में आरोपियों के रैम्बो विहार, तपोवन रोड स्थित कमरे पर रुका हुआ है। सीओ रायपुर अभिनय चौधरी और रायपुर थाना पुलिस को साथ लेकर उक्त कमरे पर छापा मारा गया। इस दौरान धर्मराज को गिरफ्तार करते हुए कमरे से चरस का पैकेट बरामद किया गया। दोनों आरोपियों से कुल तीन किलो 400 ग्राम चरस मिली। इसे लेकर गिरफ्तार और फरार आरोपियों के खिलाफ रायपुर थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

इंडियन आइडल फेम सलमान अली के गीतों पर झूमे छात्र

विकासनगर। सिंहनीवाला स्थित शिवालिक कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के प्रांगण में विविधता में एकता थीम के साथ दूसरे दिन के कार्यक्रम में इंडियन आइडल के विजेता सलमान अली के सुरों का जादू छात्रों के सिर चढ़कर बोला। शिवा-फेस्ट 2024 के दूसरे दिन की शुरुआत पुरस्कार वितरण से हुई। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार दिए गए। इसके साथ टॉपर छात्रों को भी सम्मानित किया गया। कॉलेज के वाईस चेयरमैन अजय कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा में निखार आता है। सभी छात्रों को इस प्रकार के आयोजनों में बढ-चढकर हिस्सा लेना चाहिए। निदेशक डॉ. प्रह्लाद सिंह ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार जो भी मौका उन्हें कॉलेज या अन्य माध्यमों से मिलता है उसमें अधिकाधिक प्रतिभाग करना चाहिए। सलमान अली ने जब सुर ताल के साथ ह्यसजदा तेरा सजदा गाना पेश किया तो छात्र-छात्राएं थिरकने लगे। देर रात तक चली सलमान अली की प्रस्तुतियों ने धमाल मचा दिया। इंडियन आइडल फेम सलमान अली को सुनने के लिए बड़ी संख्या में छात्र कैंपस में ही जमे रहे। तेरी दीवानी..., सांसों की माला पर सुमिरु नाम..., मेरे रश्के कमर..., मुस्कुराने की वजह तुम हो..., जैसे गीतों से सलमान ने छात्र-छात्राओं को जमकर झुमाया। हमें तुमसे प्यार कितना...., ओ सौदा खरा, खरा...,जैसे गानों पर शिक्षक भी थिरकते नजर आए। ह्योऐसे लहराकर के तू रूबरू आ गई... की प्रस्तुति के वक्त कई छात्र-छात्राएं जोश में स्टेज पर पहुंचने की कोशिश करने लगे। किसी तरह छात्रों को संभाला गया।

प्रदेश में आम जन की सुनने वाला कोई नहीं : मोर्चा

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ताओं की बैठक में जनहित से जुड़ी समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रदेश में आम जन की सुनने वाला कोई नहीं है। यहां तक कि सरकार, विधायक, मंत्रियों के आदेशों का भी अधिकारियों, कर्मचारियों पर कोई असर नहीं हो रहा है। हर कोई अपनी मनमानी करने पर उतर आया है। अस्पताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में रविवार को हुई बैठक में मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि उच्चाधिकारियों से लेकर उनके मातहत कर्मचारी किसी की सुनने को तैयार नहीं हैं।

आरोप लगाया कि बगैर सुविधा शुल्क दिए एक इंच भी पत्रावली नहीं बढ़ती है। कहा कि भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। अधिकारी, कर्मचारी बिना सुविधा शुल्क कोई भी कार्य करने को तैयार नहीं है।

विभिन्न विभागों के 2700 कर्मचारियों को जल्द मिलने जा रहा है पुरानी पेंशन का लाभ

देहरादून। विभिन्न विभागों के 2700 कर्मचारियों को जल्द पुरानी पेंशन का लाभ मिलने जा रह है। पेंशन निदेशालय में इनके दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है। इस दायरे में राज्यभर में 6200 कर्मचारी और अफसर आ रहे हैं। केंद्र सरकार ने जनवरी 2005 के बाद भर्ती कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना से हटा दिया था।

उत्तराखंड में अक्तूबर 2005 से व्यवस्था लागू की गई थी। विभिन्न कर्मचारी संगठन नई पेंशन स्कीम का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि रिटायरमेंट के बाद नई योजना में कर्मचारियों की पेंशन की राशि इतनी बन पा रही है, जिससे घर का खर्चा चलाना मुश्किल है।

इससे विभिन्न कर्मचारी संगठन नई पेंशन स्कीम का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों सरकार ने ऐसे कर्मचारी और अफसरों को भी यह लाभ देने का फैसला लिया जिनकी विज्ञप्ति अक्तूबर 2005 से पहले से जारी हो गई थी और नियुक्तियां बाद में हो पाई थी। इस दायरे में राज्यभर के 6200 कर्मचारी आ सकते हैं।

अब तक सचिवालय प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा कल्याण समेत कई प्रशासकीय विभागों ने ऐसे कर्मचारियों को चिन्हित कर प्रस्ताव पेंशन निदेशालय को भेज दिया। निदेशक कोषागार डीसी लोहानी ने बताया कि लगभग 2700 प्रकरणों का अभी परीक्षण चल रहा है।

जल्द ही प्रशासकीय विभागों को ये प्रस्ताव वापस कर दिए जाएंगे, जिससे उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ मिल सके। वहीं, अपर निजी संवर्ग को पुरानी पेंशन का लाभ देने को प्रस्ताव भेजा जा चुका है। उधर, जिन राजपत्रित रैंक के अफसरों को यह लाभ मिलना है।

उनके प्रस्ताव अभी सचिवालय में कई विभागों के अनुभागों में ही लंबित पड़े हैं, जबकि चार आईएएस अफसरों को तो यह लाभ दे दिया गया था।

प्रमोशन में शिथिलीकरण की छूट छह माह बढ़ाई जाए

उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन ने प्रमोशन में शिथिलीकरण के लिए मिल रही छूट को छह माह के लिए बढ़ाने की मांग की है। इसके साथ ही संगठन ने तबादला ऐक्ट की विसंगतियों को दूर करने के लिए ऐक्ट में संशोधन का अनुरोध किया है। उत्तरांचल पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संगठन की स्वास्थ्य महानिदेशालय में शनिवार को बैठक हुई।

इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने राज्य सरकार की ओर से कर्मचारियों को प्रमोशन के मानकों में दी गई शिथिलीकरण की छूट को छह माह बढ़ाने की जरूरत बताई। संगठन के प्रदेश महामंत्री अशोक राज उनियाल ने कहा कि सरकार की ओर से दी गई छूट लोकसभा चुनाव आचार संहिता के दौरान समाप्त हो रही है।

शिविर में 55 यूनिट रक्तदान किया

विकासनगर। वेस्टीज फाउंडेशन की ओर से रविवार को विकासनगर कार्यालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। आईएमए के विशेषज्ञों की देखरेख में रक्तदाताओं ने 55 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि विकासनगर विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने कहा कि लगतार बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। अस्पताल बीमारी का उपचार तो कर सकते हैं, लेकिन कई बार खून की कमी के कारण मरीज का जीवन खतरे में पड़ जाता है। कहा कि आपका एक यूनिट रक्त किसी परिवार की खुशियों को लौटा सकता है। रक्तदान ही महादान है, इस महादान से दूसरे की जिंदगी बचाने के साथ ही अपने स्वास्थ्य की जानकारी भी मिलती है। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख जसविंदर सिंह, रमेश पुंडीर, अजय कुमार, आशीष डोगरा, अशोक डोगरा, डेविड पार्कर, अंजना राणा, सुमित्रा रौतेला, प्रदीप रावत, आशुतोष उनियाल, गुलशन और खुर्शीदा आदि मौजूद रहे।

पीएसी वाहन को भगा ले जा रहा युवक पकड़ा

देहरादून। रायपुर में पीएसी कैंप के बाहर खड़े सरकारी वाहन को एक युवक पुरानी चाबी से स्टार्ट कर चुरा ले जाने लगा। कुछ दूर जाने पर जब उसे पता लगा कि वाहन चोरी का है तो आरोपी सड़क किनारे छोड़ गया। घटना रविवार सुबह सात बजे की है। एसओ रायपुर कुंदन राम ने बताया कि वाहन ले जाने के आरोपी अमन भार्गव उम्र 28 वर्ष निवासी एमडीडीए कॉलोनी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पता लगा कि आरोपी नशे का आदी है और मानसिक रूप से कमजोर है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ 81 पुलिस एक्ट में कार्रवाई करते हुए उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। वहीं आरोपी के परिजनों को भी पुलिस ने हिदायत दी।

लोक पंचायत में नशे की रोकथाम पर किया गया मंथन

विकासनगर। लोक पंचायत के दो दिवसीय चिंतन शिविर में रविवार को क्षेत्र में बढ़ रहे नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने को लेकर रणनीति बनाई। साथ ही अधिक से अधिक युवाओं को बागवानी, पर्यटन और तीर्थाटन के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया। रविवार को चिंतन शिविर का समापन हुआ। दसऊ में आयोजित चिंतन शिविर के समापन पर श्रीचंद शर्मा ने कहा है कि जौनसार बावर के तीर्थाटन और पर्यटन में तालमेल बनाकर स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उन्होंने क्षेत्र के आर्थिक रूप से संपन्न लोगों को जौनसार क्षेत्र में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए निवेश करने की सलाह दी। कर्मचारी संघ दसऊ के अध्यक्ष जगत सिंह चौहान ने कहा है कि व्यक्ति को अपने सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा रहना चाहिए। हमारी पहचान अपनी लोक संस्कृति से है। उन्होंने क्षेत्र से हो रहे पलायन पर चिंता जताते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार उपलब्ध कराने से पलायन रुकेगा। इस मौके पर आगामी कार्यक्रमों की भी रूपरेखा तैयार की गई। आगामी 12-13 मई को हरि घाट हरिपुर से हनोल धाम तक कार यात्रा संचालित करने और जून में शिक्षक सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम का संचालन रणवीर सिंह तोमर और भारत चौहान ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान खत दसऊ के स्याणा रणवीर सिंह, पदम सिंह, गोविंद सिंह, रघुवीर सिंह, ज्ञान सिंह, केसर सिंह, आनंद सिंह, शूरवीर सिंह, सुरेंद्र सिंह, अतर सिंह, सरदार सिंह, कुंवर सिंह, रमेश प्रताप सिंह, बलबीर सिंह, श्याम सिंह, जयपाल सिंह डॉ अमर सिंह, गोपाल सिंह, सरदार सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

बालाजी के भजनों से कलाकारों ने समां बांधा

विकासनगर। राम सेवा मंडल सेलाकुई की ओर से बालाजी महाराज का दो दिवसीय छठी महोत्सव का शुभारंभ सुंदर कांड के पाठ और हवन, भंडारे के साथ किया गया। छठी महोत्सव अनुष्ठान के पहले दिन ज्वाला मंदिर परिसर के हनुमान मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया। पंडित अश्वनी नारायण द्वारा विधिविधान पूर्वक बालाजी महाराज को चोला पहनाकर मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ किया। राम सेवा मंडल अध्यक्ष भागमल बंसल ने कहा बालाजी महाराज की लीला अपरंपार है। रात को बालाजी का जागरण हुआ।

वन विभाग की कार्रवाई की भनक लगते ही भागे खनन माफिया

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग ने रविवार को हिमाचल प्रदेश की सीमा से सटे मीनस में अवैध खनन के खिलाफ छापेमारी की।

कई जगहों पर मार्ग को अवरुद्ध किया गया। हालांकि वन विभाग की कार्रवाई की पहले ही जानकारी मिलने से खनन माफिया और मजदूर हिमाचल की सीमा में भाग गए। चकराता वन प्रभाग की देवघार, कनासर और रीवर रेंज की संयुक्त टीम ने रविवार को लाव लश्कर के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में छापेमारी की। मीनस से तीन किलोमीटर आगे क्वनू की ओर अवैध उप खनिज ढुलान में लगे खच्चर, घोड़ा मालिक वन विभाग की कार्रवाई की भनक लगते ही फरार हो गए। पुल पार पांवटा-शिलाई रोड पर खड़े ट्रैक्टर, लोडर वाहन चालकों को भी खच्चर वालों ने सतर्क कर दिया। इसके चलते सभी वाहन खाली ही वापस लौट गए। बताया जा रहा है कि वन विभाग की छापेमारी की सूचना विभागीय स्तर से ही लीक हुई। राजस्व पुलिस और वन कर्मियों की शह पर मीनस, आसोई, पाटन के आसपास अवैध खनन कर उप खनिज हिमाचल प्रदेश सप्लाई किया जा रहा है। वन क्षेत्राधिकारी देवघार रेंज हरीश चौहान ने बताया मीनस पुल के पास रास्ता अवरुद्ध कर दिया गया। आसोई पाटन में स्थानीय लोगों खच्चरों से ढुलान कर दूसरे प्रदेश को रेता-बजरी बेच रहे है।

सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा को शराब नगरी बनाने पर तुली सरकारः वैभव पाण्डेय

अल्मोड़ा। प्रेस को जारी एक बयान में नगर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संगठन वैभव पाण्डेय ने कहा कि आज अल्मोड़ा नगर में हर चार किलोमीटर में शराब की दुकानें खुल रही हैं और प्रदेश सरकार मौनी बनी हुई है। उन्होंने कहा का करबला से पाण्डेखोला तक मात्र पांच किलोमीटर की दूरी में शराब की तीन दुकानें खुल रही हैं। छोटे छोटे बच्चों के स्कूल, पेट्रोल पंप, आबादी को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा एक सांस्कृतिक नगरी व पर्वतीय क्षेत्र हैं। ऐसे में अपना खजाना भरने के लिए भाजपा सरकार शराब की दुकानें पान की दुकानों की तर्ज पर खोलने में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि बड़े दुर्भाग्य की बात है कि पहाड़ी संस्कृति की बात करने वाली भाजपा आज सांस्कृतिक नगरी के शराब नगरी बनने पर भी मौन हैं। पाण्डेय ने कहा कि भाजपा को चाहे अपनी संस्कृति, अपने युवाओं की परवाह ना हो ।

भीषण गर्मी में हरबर्टपुर में लंबे जाम ने बढ़ाई मुश्किलें

विकासनगर। भीषण गर्मी में रविवार दोपहर हरबर्टपुर कस्बे के चारों मार्गों पर लंबा जाम लगने से लोगों को भारी मुश्किलें झेलनी पड़ीं। जाम की समस्या हरबर्टपुर के लिए कोई नई नहीं है, लेकिन रविवार को शहर की चारों सड़कें जाम से पैक हो गई। हरबर्टपुर चौकी से पहुंचे पुलिस कर्मियों के भी जाम खुलवाने में पसीने छूट गए। चार धाम यात्रा से पहले ही पछुवादून में यातायात व्यवस्था की पोल खुलने लगी है। रविवार को हरबर्टपुर में विकासनगर रोड, सहारनपुर रोड, देहरादून रोड और पांवटा रोड पर एक साथ लंबा जाम लग गया। चौक से चारों ओर आधा किमी तक वाहन जाम में फंस गए। दोपहर एक बजे के करीब दो भारी मालवाहक वाहन चौक से सहारनपुर रोड की ओर मुड़ रहे थे। आसपास बेतरतीब खड़े वाहनों के चलते दोनों भारी वाहन चौक पर फंस गए, इससे चारों रोड पर आधा-आधा किमी लंबा जाम लग गया। भीषण गर्मी में जाम में फंसे लोग बिलबिला उठे। दोपहिया वाहनों को भी जाम से निकलने में आधे घंटे से ज्यादा का समय लगा। भीषण गर्मी में जाम में फंसे बाइक सवार, कार सवार, रोडवेज की बसों के यात्री हर कोई अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को कोसता रहा। बाइक सवार हरजिंदर सिंह, राजपाल ने कहा कि अफसर वातानुकूलित कमरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। बाहर निकलकर जाम में फंसे लोगों की हालत उन्हें देखनी चाहिए। बसों में बैठे यात्री भी गर्मी में लगे जाम से परेशान दिखे। विकासनगर रोड पर राहगीरों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया।

चार धाम यात्रा से पहले यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए प्लान तैयार किया जा रहा है। प्रत्येक चौराहे पर पुलिस कर्मी तैनात किए जाएंगे। इसके साथ ही सड़कों पर बेतरतीब खड़े वाहनों का चालान काटा जाएगा। – राजेश शाह, शहर कोतवाल।

चकराता वीकेंड पर पर्यटकों से गुलजार रहा

विकासनगर। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी बढ़ने के साथ ही चकराता में पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। इस वीकेंड पर चकराता पर्यटकों से गुलजार रहा। रविवार को बड़ी संख्या में पर्यटकों ने चकराता पहुंचकर यहां के प्राकृतिक सौंदर्य का दीदार किया। पर्यटकों ने टाइगर फॉल, देववन, लोखंडी, कोटी कनासर, मोयला टॉप, बाजार के समीप स्थित कैंट के सनसेट, सनराइज प्वाइंट, चिलमिरी आदि पर्यटन स्थलों के सुंदर नजारों को देखा। सबसे ज्यादा पर्यटक टाइगर फॉल पहुंचे। दिन में निकली धूप के बीच उन्होंने झरने के पास ठंडे पानी में खूब मस्ती कर यहां के सुंदर नजारों को अपने कमरे में कैद किया। टाइगर फॉल में अधिक पर्यटकों के पहुंचने से पार्किंग की समस्या भी नजर आई। कई पर्यटक अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़ा करने को मजबूर हुए। स्थानीय निवासी नेपाल सिंह, अजीत चौहान, चमन चौहान, सानिया जोशी, रमेश चौहान आदि का कहना है कि पर्यटकों की अधिक आमद से टाइगर फॉल में वाहनों को खड़ा करने के लिए पार्किंग की कमी हो जाती है। उन्होंने पर्यटन विभाग से पार्किंग निर्माण की मांग की है।

शाम को छावनी बाजार पहुंचे पर्यटक सोमेश, मनजीत, मुदित, सारांश, अजित ने बताया कि वह यहां का मौसम को देख हैरान हैं। दोपहर में धूप से गर्मी महसूस हुई और शाम होते ही उन्हें सर्दी का एहसास हुआ। कहा कि चकराता एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है, लेकिन इसे विकसित करने के लिए सरकार को सुविधा बढ़ानी चाहिए। पर्यटकों के उमड़ने से पर्यटन व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों के चेहरे भी खिल गए हैं।

पांच हजार का इनामी दंपति रुड़की से दबोचा

हरिद्वार। मकान और चौपहिया वाहन बेचने के नाम पर 21 लाख की रकम ठगकर फरार हुए पांच-पांच हजार के इनामी आरोपी दंपति को सीआईयू रुड़की और शहर कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने रुड़की से दबोच लिया। आरोपी दंपति को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने इनामी दंपति को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम की पीठ थपथपाई है। एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि एक वर्ष पूर्व तनुज पंवार पुत्र देवेंद्र सिंह, निवासी शिवालिक नगर ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि एक दंपति ने अपना मकान और चौपहिया वाहन वाहन बेचने के लिए उसके साथ सौदा तय किया था। आरोप है कि उससे इस बाबत 21 लाख की रकम ले ली गई थी। जब उसने मकान का बैनामा और कार सौंपने की बात कही तब उसके साथ गाली-गलौज करते हुए हत्या की धमकी दी गई थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अरुण कुमार सैनी पुत्र ओमप्रकाश सैनी और उसकी पत्नी निवासीगण मकान संख्या 36, भागीरथी गंगा विहार भूपतवाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। तब से आरोपी दंपति फरार चल रहा था। आरोपी दंपति पर पांच-पांच हजार का इनाम घोषित किया गया था। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि आरोपी दंपति के रुड़की में छिपे होने की सूचना मिली, जिसके बाद सीआईयू रुड़की की मदद से आरोपी दंपति को पकड़ लिया गया।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा
जयन्त कार्यालय
चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग,
गैरसैंण, जनपद चमोली
उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338